वर्ष-3, अंक-219
इन्दौर, गुरुवार
7 मंगलवार 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

ट्रम्प को बहुमत मिला, फिर राष्ट्रपति बनेंगे

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहले राष्ट्रपति जो हारकर फिर जीते; कमला कड़ी टक्कर के बाद भी हारीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

डोनाल्ड ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें 538 में से 277 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 270 सीटों से 7 ज्यादा हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की कैडिडेट कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 224 सीटें ही जीत पाईं। ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और 2020 में जो बाइडेन से हार गए थे। ताजा नतीजों के बाद ट्रम्प दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहले राजनेता हैं, जो 4 साल के गैप के बाद दोबारा राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला कैडिडेट को हराया है। दिलचस्प फैक्ट यह भी है कि 2016 और 2024 के अलावा कभी भी कोई महिला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ी है। दोनों ही बार ट्रम्प ही चुनाव जीते हैं।

अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन में भी ट्रम्प को बहुमत

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के साथ संसद के दोनों सदन सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के भी चुनाव हुए हैं। सीनेट संसद का ऊपरी सदन है। इसकी 100 सीटों में हर राज्य के लिए 2 सीटों की हिस्सेदारी है। इसकी एक तिहाई सीटों पर हर 2 साल में चुनाव होते हैं। इस बार 34 सीटों पर चुनाव हुए। ताजा नतीजों के साथ रिपब्लिकन पार्टी ने 51 सीटें हासिल कर ली हैं, जो बहुमत के बराबर हैं। इससे पहले उसके पास 49 सीटें थीं।

जीत के बाद ट्रम्प की स्पीच, कहा- असंभव को संभव कर दिखाया

जीत के बाद अमेरिकी लोगों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा- एक बार फिर से अमेरिका को महान बनाऊंगा। भगवान ने मेरी जान इसी दिन के लिए बचाई थी। ट्रम्प पर 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया में हमला हुआ था। इसमें एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। हमले में उनकी जान बाल-बाल बची थी। ट्रम्प ने कहा- हमने वो कर दिखाया जो लोगों को असंभव लग रहा था। यह अमेरिका के इतिहास की सबसे शानदार जीत है।

नागपुर में राहुल गांधी बोले- जाति जनगणना जरूर होगी: कहा-

हम आरक्षण में 50% की दीवार भी तोड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राहुल गांधी ने कहा, देश में जाति जनगणना होगी और इससे दलितों, ओबीसी और आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का पता चलेगा। जाति जनगणना से सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

सभी को पता चल जाएगा कि उनके पास कितनी शक्ति है और हमारी भूमिका क्या है। जाति जनगणना विकास का प्रतिमान है। उन्होंने कहा कि हम 50% (आरक्षण सीमा) की दीवार भी तोड़ देंगे। राहुल बुधवार (6 नवंबर) को नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- हमें देश को बताना होगा कि हम देश में हाशिए पर पड़े 90% लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने आज से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार शुरू किया है। कांग्रेस महाविकास अघाड़ी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। उसने 103 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारा है। हम हर सम्मेलन में अंबेडकर जी, गांधी जी, साहू महाराज जी समेत कई महान लोगों के बारे में बात करते हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि जब हम इनकी बात करते हैं तो सिर्फ एक व्यक्ति की बात नहीं होती। क्योंकि इन महापुरुषों की बातों में भी करोड़ों लोगों की आवाज रहा करती थी। वे जब बोलते थे तो दूसरों का दुख, दर्द उनके मुंह से निकलता था। जब आप अंबेडकर की किताबें पढ़ेंगे तो साफ दिखेगा कि वे अपनी नहीं, दूसरों की बात कर रहे हैं। अंबेडकर, गांधी जी ने कभी अपना दर्द नहीं देखा, वे सिर्फ लोगों के दर्द की बात करते हैं।

हरदोई हादसे में 11 की मौत

सड़क पर बिखरी लाशें: ऑटो पलटा तो तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा

हरदोई (एजेंसी)। यूपी के हरदोई में ट्रक और ऑटो रिक्शा के बीच हादसा हो गया। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 5 गंभीर रूप से घायल है। मृतकों में 6 महिलाएं और 2 बच्चे, एक लड़की और एक पुरुष शामिल हैं।

सभी लोग एक ऑटो रिक्शा में सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो रिक्शा उछलकर दूर जा गिरा। रिक्शा पलटते ही अंदर बैठी सवारियां बाहर गिर गईं। सड़क पर लाशें बिखरी पड़ी थीं। हादसा बुधवार दोपहर बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के रोशनपुर गांव के पास हुआ। पुलिस का कहना है कि ऑटो बिलग्राम की ओर जा रहा था। अचानक वह अनियंत्रित हो गई और सड़क पर पलट गई। इसी दौरान सामने से पूरी रफ्तार से आ रहे ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी और यात्रियों को कुचल दिया। घटना के बाद ट्रक चालक भाग गया।

जारी की गई जानकारी के अनुसार, यह घटना हरदोई के रोशनपुर गांव में हुई, जहां अधिकारियों ने बताया कि अचानक हुई टक्कर में छह महिलाओं, तीन बच्चों और एक पुरुष सहित दस यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना दोपहर करीब 12:30 बजे मिली। बचाव कार्य करने के लिए अधिकारियों की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। घटना में कुल चार लोग घायल हुए, जिनमें से सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है।

ऑपरेशन जारी, कुपवाड़ा और

बांदीपोरा में दो आतंकी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ चल रहे अभियान में भारतीय सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बांदीपोरा में आतंकियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अब तक दो आतंकियों को मार गिराया गया है। यह ऑपरेशन मंगलवार से जारी है और इसमें भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान शामिल हैं। ऑपरेशन को लेकर सेना के प्रवक्ता ने बताया, कि बांदीपोरा के ओपी कैतसन क्षेत्र में जारी इस ऑपरेशन के दौरान एक आतंकी को मार गिराया गया।

मंगलवार को शुरू हुआ ऑपरेशन

चुंटावाड़ी कैतसन क्षेत्र में मंगलवार को ऑपरेशन शुरू किया गया था, जब सुरक्षाबलों को आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली। इसके बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। जब आतंकियों ने खुद को घिरा पाया, तो उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया। इस मुठभेड़ में सेना का एक जवान और सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गए, जिनका इलाज जारी है।

राज ठाकरे के बेटे अमित का नहीं करेगी बीजेपी समर्थन

मुंबई (एजेंसी)। दिलचस्प बात यह है कि बीजेपी केवल एक सीट पर राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस का समर्थन कर रही है, जो राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे की सीट नहीं है, बल्कि मुंबई की शिवड़ी विधानसभा सीट है, जहां से एमएनएस नेता और राज ठाकरे के करीबी बाला नंदगांवकर चुनाव लड़ रहे हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के लिए एक झटका यह हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्पष्ट कर दिया है कि वह माहिम से विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे का समर्थन नहीं करेगी।

महायुति कम से कम 170 सीटें जीतेगी : अठावले

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कम से कम 170 सीटें जीतेगा।

महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना, भाजपा, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और अठावले की आरपीआई (ए) भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने पूरे देश में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए लगातार दलित वोट हासिल किए हैं और महायुति के सीट बंटवारे के समझौते में इसके लिए निर्धारित एक सीट के बजाय उसे चार से पांच सीटें मिलनी चाहिए थीं।

एलन मस्क मतदाताओं को 10 लाख डॉलर देना जारी रख सकते हैं: न्यायाधीश

वाशिंगटन, (एजेंसी)। इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल निर्माता टेस्ला और निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन मस्क के राजनीतिक समूह को अदालत की मंजूरी मिल गई है कि वह 'स्विंग स्टेट' (अमेरिका का एक ऐसा राज्य जिसमें डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों उम्मीदवारों के जीतने की अच्छी संभावना होती है और जिसे राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है) के मतदाताओं को 10 लाख डॉलर पुरस्कार दे सकता है। यह फैसला वाशिंगटन में एक न्यायाधीश द्वारा दिया गया है।

अंग्रेज चले गए और इन्हें छोड़ गए

जनता ऐसे नारों का समर्थन नहीं करेगी

गाजियाबाद, (एजेंसी)। यूपी में विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। नेताओं में एक दूसरे पर हमले जारी हैं। कभी जुबानी तो कभी पोस्टर वार के जरिए। इस बीच समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान पर फिर रिएक्ट किया है। उन्होंने कहा कि अंग्रेज चले गए और इन्हें छोड़ गए। भारत का समाज ऐसे नारों का समर्थन नहीं करता है न ही करेगा। बीते कुछ दिनों से सीएम योगी अपने भाषणों में बंटेंगे तो कटेंगे का जिक्र कर हिंदू समाज को एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। उनके इस बयान के बाद लखनऊ में जगह-जगह बीजेपी नेताओं ने पोस्टर भी लगाए हैं। जवाब में सपा कार्यकर्ताओं ने भी ना बटेंगे ना कटेंगे, मठाधीश सत्ता से हटेंगे... का पोस्टर लगाए हैं। इससे पहले भी पीडीए जोड़ेगी और जीतेगी जैसे नारे लिखे पोस्टर लगवाए गए थे।

बिहार में कोकिला के नाम से मशहूर गायिका शारदा सिन्हा का निधन

पटना (एजेंसी)। पद्म पुरस्कार से सम्मानित बिहार की मशहूर गायिका शारदा सिन्हा अब इस दुनिया में नहीं रहीं। मंगलवार को दिल्ली एम्स में उन्होंने देर शाम को आखिरी सांस ली। सोमवार की शाम को ही शारदा सिन्हा की तबीयत अधिक बिगड़ गयी थी और उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट करना पड़ा था। मंगलवार को उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए। इस खबर ने देशभर में उनके शुभचिंतकों को झकझोर कर रख दिया। शारदा सिन्हा के गाये छठ गीत अभी हर तरफ बज रहे हैं और इस महापर्व के बीच में उनके देहांत की खबर सुनते ही प्रशंसकों में मायूसी छागयी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

भाजपा ने वोट जिहाद से निपटने संघ से मांगी मदद

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव अपने चरम पर है और अब अनेक सीटों पर मुकाबले की स्थिति भी पूरी तरह से साफ हो गई है। भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में हुई हार से सबक लेते हुए अपनी रणनीति में बदलाव किए हैं। राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अपने ताजा बयान में कहा कि इस बार भाजपा ने वोट जिहाद और उपद्रवियों से निपटने के लिए संघ से मदद मांगी है। एक साक्षात्कार में फडणवीस ने बताया कि वे संघ के स्वयंसेवकों के संपर्क में हैं, हालांकि संघ की भूमिका राजनीतिक रूप से तटस्थ रहती है। फडणवीस का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हाल ही में कहा था कि पार्टी अब संघ की सहायता के बिना अपने दम पर चुनाव लड़ने में सक्षम है। इस बयान से यह चर्चा उठी कि भाजपा और संघ के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। फडणवीस ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार के लिए वोट जिहाद को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने धुले लोकसभा सीट का उदाहरण देते हुए कहा कि मालेगांव विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को बड़ा झटका लगा है, जहां एमवीए को 1.94 लाख वोट मिले और भाजपा चार हजार वोटों से हार गई। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के खिलाफ फतवे जारी किए गए थे।

बम की धमकी के कारण कई राज्यों में मतदान में बाधा

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। अमेरिका में मिशिगन, विस्कॉन्सिन, एरिजोना और जॉर्जिया जैसे कई राज्यों में मतदान केंद्रों पर बम की धमकियों के कारण मतदान में देरी हुई। एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) चार राज्यों में स्थानीय कानून प्रवर्तन और अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। मिशिगन, विस्कॉन्सिन, एरिजोना और जॉर्जिया जैसे राज्यों ने धमकियों के मद्देनजर मतदान केंद्रों को खाली करा लिया है। एफबीआई के मुताबिक धमकियों में से कुछ रूसी ईमेल डोमेन से आए थे और उन्हें अविश्वसनीय माना गया था।

संपादकीय

चुनाव की तारीखों में बदलाव से निर्वाचन आयोग पर उठ रहे सवाल

पहले जब चुनाव आयोग ने मतदान की तारीखें तय की थी, तब क्या उसे उस दौरान पड़ने वाले त्योहारों और उसकी वजह से मतदाताओं को होने वाली असुविधा का खयाल नहीं आया था! मतदाताओं की सुविधा-असुविधा का खयाल रख कर अगर चुनाव की तारीखें तय की जाती हैं, तो उस पर किसी को आपत्ति नहीं होगी, मगर इसके पीछे कोई मजबूत कारण न हो तो यह शक का आधार बनने लगता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल विधानसभा की चौदह सीटों के लिए होने वाले उपचुनावों के लिए निर्वाचन आयोग ने तय तारीखें बदल कर नई तारीख बीस नवंबर निर्धारित कर दी है। कुछ पर्व-त्योहारों के मद्देनजर मतदान के कार्यक्रम में इस बदलाव के लिए कुछ राजनीतिक पार्टियों की ओर से मांग की गई थी। बताया जा रहा है कि पहले निर्धारित तिथि पर लोगों को असुविधा होती और मतदान पर इसका असर पड़ता। जो हो, अब नई तारीख तय होने के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि उस दिन संपन्न होने वाले मतदान को लेकर सभी पक्ष संतुष्ट होंगे और किसी तरह के सवाल नहीं उठेंगे। सवाल है कि पहले जब चुनाव आयोग ने मतदान की तारीखें तय की थी, तब क्या उसे उस दौरान पड़ने वाले त्योहारों और उसकी वजह से मतदाताओं को होने वाली असुविधा का खयाल नहीं आया था! फिर, जो चुनाव कार्यक्रम तय किए जाते हैं, उसमें पर्व-त्योहारों को ध्यान में रख कर बदलाव करने के मामले में क्या समदृष्टि का उपयोग किया जाता है? उत्तर प्रदेश, पंजाब या केरल जैसे राज्यों में चुनाव के दौरान अगर कुछ पर्व-त्योहार आ रहे थे, तो यह कोई नई और अचानक पैदा होने वाली बाधा नहीं थी। निर्वाचन आयोग की ओर से जब चुनाव प्रक्रिया और मतदान की तारीखों का निर्धारण किया जाता है, तो इन पहलुओं का ध्यान पहले ही रखा जाता है। विडंबना है कि इन उपचुनावों की घोषणा के बाद तय दिनों में मतदाताओं की असुविधा और मतदान पर पड़ने वाले असर की दलील पर कार्यक्रम में फेरबदल किया गया। हाल के वर्षों में चुनाव प्रक्रिया से लेकर परिणाम घोषित होने तक के मामले में पक्षपात सहित कई तरह के सवाल उठते रहे हैं। अब अगर मतदान की तारीखों में भी फेरबदल को लेकर इस तरह के ऊहापोह दिखने शुरू होंगे तो आम लोगों में चुनावों को लेकर भरोसा पैदा करना मुश्किल होगा।

कहानी

मुझे चैन से मरने दो

मैं आज सुबह-सुबह अपने घर के छत पर टहल रह था,तभी देखा उसरी नदी में बाढ़ आ गई है। बरसात का दिन था,नदी के उस ओर कुछ विद्यार्थी विद्यालय जाना छोड़ स्नान का आनंद लेने के लिए आए थे।मुझे अपना विद्यार्थी जीवन याद आ गई थी। नदी स्नान का आनंद इसी तरह लिया करते थे। बच्चे स्नान कर रहे थे,आनंद ले रहे थे।तभी अचानक बच्चे बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे।मैं हड़बड़ा गया,मुझे लगा कोई स्नान करते हुए बह गया है।तुरन्त नदी की तरफ लपका।पत्नी चिल्लाई,अजी!कहाँ जा रहे हैं जी? मैं भागते हुए बोला, नदी में कोई बच्चा बह गया है, उसे बचाने जा रहा हूँ।अरे!आप डायबिटीज के मरीज हैं,अभी नाश्ता भी नहीं किए हैं और चले बच्चा बचाने, कुछ सुनते क्यों नहीं जी?अरी! भगवान,तुम हमेशा मुझे रोकती-टोकती रहती हो।अभी किसी की जान बचाने की बात है,मुझे जाने दो....इतना बोलते-बोलते मैं निकल गया।बाहर नदी किनारे भीड़ इक्कठी हो गई थी,सभी चिल्ला रहे थे पर नदी में कूद उस बच्चे को बचाने की कोशिश कोई नहीं कर रहा था।मैंने गमछा अपने सिर पर बाँधा और छपाक से नदी में कूद गया,बच्चे को बचाने के लिए।मैं तेजी से तैरने लगा और जल्द ही बच्चे के नज़दीक पहुँच गया।पहले अपने सिर पर बाँधे गमछे को उसे पकड़ने के लिए दिया,बोला, बेटा परेशान मत हो,मैं आ गया हूँ तुझे कुछ न होने दूँगा तुम देश के भविष्य हो,डरना मत।पर बच्चा हताश हो गया था बहुत पानी पी चुका था।मैं उसके नजदीक जा उसे अपने पीठ पर ले लिया और तैरते हुए किनारे की तरफ जाने लगा।बच्चा डरा हुआ था उसने जोर से मेरी गर्दन को पकड़ कर खुद को बचाने लगा।किनारा दूर होने की वजह से तथा अधिक तैरने की वजह से मैं बहुत थक चुका था।आगे रेलवे पुल के पास लोगों ने हम दोनों को निकाला।बच्चा बच गया था और मैं लाश बन चुका था। आँगन में मेरी लाश रखी गई।पत्नी रो-रोकर कह रही थी,अगर आप मेरी बात मान लिए होते तो आज मैं विधवा नहीं होती।हे!भगवान आपने मेरे साथ यह क्या किया? पत्नी की चीत्कार सुनकर मुझसे मरा नहीं जा रहा था।मैं कुछ देर के लिए उठा और कहा,अरी भाग्यवान कम-से-कम अब तो मुझे चैन से मरने दो।मैंने किसी की जान बचाकर खुद को मुक्त किया है, अब तुम भी मुझे मुक्त करो।और मैं पुनः मर गया।

महेश अमन
रंगकर्मी सह कवि
गिरिडीह झारखण्ड

कहानी

आशीर्वाद का फल

इस बरस दीपावली पर घर जाने का प्रोग्राम सागरिका जी ने पहले ही बच्चों की स्कूल प्रिंसिपल से बातें कर सुनिश्चित कर लिया था। अपनी क्लासेस भी एडजस्ट कराने की भी व्यवस्था कर ली थी पर ऐन वक़्त पर स्कूल की प्रिंसिपल ने शिडुल चेंज कर बच्चों की परीक्षा दीपावली से एक दिन पहले तक रख दी। उधर किस्मत का यह सितम रहा कि एक परीक्षा देने के बाद ही बड़ा पुत्र अगस्त्य हाई फीवर से ग्रस्त हो गया और वो शेष कोई भी परीक्षा दे ही नहीं पाया पर छोटे पुत्र औरव की केवल दो परीक्षा ही छूटीं। बहरहाल, टिकटें वग़ैरह सब हो चुकी थी, सो अगस्त्य की खस्ता हालत होने के बावजूद हम सब दिल्ली दीपावली यात्रा के लिए भगवान का नाम लेकर निकल पड़े और चेन्नई संेंट्रल स्टेशन पर रात्रि के पौने आठ बजे ही पहुँच गए। सागरिका जी की एक छात्रा भी अपने घर नोएडा जाने के लिए दिल्ली तक हमारे साथ ही सफ़र कर रही थी। बहरहाल, हम सबने स्टेशन पर मद्रास कॉफी हाउस से अपनी-अपनी पसन्द के दक्षिण भारतीय व्यंजन लिए और नौ बजे प्लेटफॉर्म पर लगी तमिलनाडु एक्सप्रेस में बैठकर आराम से उनका लुत्फ़ लिया। गाड़ी को दस बजे वहाँ से चलना था, लिहाज़ा मैं अगस्त्य और औरव के साथ प्लेटफॉर्म पर कुछ चहलकदमी करने के लिए उतर पड़ा। यूँ भी दोनों बच्चों को स्टेशन पर घूमने में इतना आनन्द आता है कि अक्सर हर स्टॉप पर हम नीचे उतरते ही हैं।

यहाँ से मेरी काफी पुरानी यादें भी जुड़ी हैं, बच्चों से उनकी बातें होती रहीं। तभी ग्रीन सिग्नल हुआ और ट्रेन मैनेजर (पुराना नाम गार्ड हुआ करता था) साहब ने भी सीटी बजाते हुए ग्रीन लाइट से चलने की अनुमति दे दी। हम ट्रेन में चढ़ चुके थे और तभी ट्रेन अपने सही समय दस बजे प्लेटफॉर्म छोड़कर आगे बढ़ने लगी। दिल्ली तक का रास्ता कब कट गया पता ही नहीं चला। साढ़े बत्तीस घंटे की यात्रा के बाद सुबह साढ़े छः बजे तमिलनाडु एक्सप्रेस अपने नियत समय पर नई दिल्ली पहुँच चुकी थी। इस ट्रेन की पंक्चुअलिटी ही इसकी ब्यूटी या यूँ कहें कि यूएसपी है और इसलिए हम करीब पिछले 40 वर्षों से इस रूट पर इसी ट्रेन को प्रेफर करते हैं।

वैसे भी चेन्नई-दिल्ली रूट की यह बहुत पुरानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन है। इसका खाना भी बहुत अच्छा है। आपको इसमें कभी भी टॉयलेट में पानी की कमी से नहीं गुजरना पड़ेगा और उनके अंदर साफ सफाई भी अप टू मार्क रहती है। सच कहूँ तो यह गाड़ी इसलिए पहले से ही मेरे और बड़े राकेश भैया के प्राणों में बसती थी और अब मेरे बाल-बच्चों की भी यह पहली पसंद बन गई है। जब कभी भी दिल्ली-चेन्नई रूट पर आना जाना होता है तो हम इसी गाड़ी को प्रेफर करते हैं। मैं आपको यहाँ यह भी बताता चलूँ कि खुद मुझे और बच्चों को हवाई जहाज की यात्रा बिल्कुल रुचिकर नहीं लगती क्योंकि एक तंग सी जगह में एक कुर्सी पर चुपचाप तीन घण्टे बैठे-बैठे मन उकता जाता है। न तो किसी से बोलना-चालना और न ही नीचे उतरकर स्टेशन पर घूमने का सुख। कई बार तो यह भी पता नहीं चल पाता कि चल भी रहा है या यूँ ही हवा में जानलेवा ऊँचाई पर एक ही जगह खड़ा है, ट्रेन में तो बाहर देखते ही पता चल जाता है कि गाड़ी चल रही है या नहीं, पर हाँ कभी कभी साइड वाली ट्रेन के चलने पर भी अपनी ट्रेन चलने का भ्रम हो जाता है वो दीगर बात है। लेकिन आप ही बताईए कि यह भी कोई यात्रा हुई भला। न तो कुछ नया जानने को मिला, न कुछ सीखने को। न कहानी लिखने को कोई प्लॉट मिला और न ही किसी अन्य तरह की रचना के बीज-सूत्र मिल सके। जबकि ट्रेन में आसपास के लोगों से बातें करके जनाब आपको इतने प्लॉट मिल जाते हैं कि आप एक दो कहानी क्या, पूरी की पूरी किताब तैयार कर लो। यही वजह है कि कार/टैक्सी की यात्रा में भी हमें उतना आनन्द नहीं आ पाता है क्योंकि तब भी हम केवल अपने परिवार के ही तो साथ होते हैं पर भागते हुए, बस एक यही फ़र्क होता है। असली सफ़र तो वही है जिसमें हम तमाम स्थानों से गुजरते हुए वहाँ की संस्कृति और खानपान के साथ-साथ वहाँ के पारंपरिक पहनावे, बोली और भाषा से भी अवगत होते हैं। हिन्दी साहित्य में पण्डित राहुल सांकृत्यायन और देवेन्द्र सत्यार्थी का नाम घुमक्कड़ी के लिए प्रसिद्ध है। हिंदी, उर्दू और पंजाबी भाषाओं के विद्वान, साहित्यकार तथा 1977 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित श्री देवेन्द्र सत्यार्थी, मूल नाम देवेन्द्र बत्ता, लोकगीत अध्ययन के प्रणेताओं मे से रहे हैं।

उन्होंने देश के कोने-कोने की यात्रा कर वहाँ के लोकजीवन, गीतों और परम्पराओं को आत्मसात किया और उन्हें पुस्तकों, वार्ताओं संस्मरणों को भावात्मक शैली में संग्रहीत कर दिया, जिसके लिये वे लोकयात्री के रूप में जाने जाते हैं। महापण्डित राहुल सांकृत्यायन की तो प्रसिद्ध रचना ही घुमक्कड़शास्त्र है। अपने घुमन्तू स्वभाव के कारण उन्होंने तिब्बत, सम्पूर्ण भारत, रूस, यूरोप सोवियत भूमि और श्रीलंका का भ्रमण किया था और फिर उन्हीं अनुभवों को सँजोते हुए घुमक्कड़ शास्त्र लिख दिया। इसके अलावा भी उन्होंने अनेक यात्रा साहित्य तथा यात्रा वृत्तांत लिखे हैं।

कहा जाता है कि वह दुर्लभ ग्रंथों की खोज में हजारों मील दूर पहाड़ों व नदियों के बीच भटके और फिर उन खोजे हुए ग्रन्थों को खच्चरों पर लादकर अपने देश में लाए थे। वह युवा वर्ग को अपने जैसे ही देश-विदेश की सैर करने का संदेश ख्वाज़ा मीर दर्द की इन पंक्तियों में दिया करते थे-सैर कर दुनिया की गाफ़िल जिंदगानी फिर कहाँ, ज़िंदगी गर कुछ रही तो ये जवानी फिर कहाँ। यूँ भी कई लेखक न केवल देश बल्कि विदेश तक की खूब यात्रा

करते हैं। श्री निर्मल वर्मा जी के साहित्य में विदेश खूब दिखता है। अज्ञेय, अमृता प्रीतम आदि ने भी खूब भ्रमण किया और वहाँ के विषय में लिखा। हम तो इस निश्चित रूट चेन्नई-दिल्ली-चंदन नगर पर ही घूमकर खूब प्रसन्न रहते हैं। मैंने जीवन में हमेशा यही पाया है कि न केवल स्थानों से व्यक्ति की यादें सदा-सदा के लिए जुड़ जाती हैं बल्कि व्यक्ति के साथ स्थान का नाम भी सदा-सदा के लिए फेवीकोल के मजबूत जोड़ की तरह जुड़ जाता है, यथा नागपुर वाले मामा जी, मेरठ वाले भैया, दिल्ली वाले भाई आदि। अब देखो न, चेन्नई में अपने छात्र जीवन के अनेक मित्रगण, विजयवाड़ा में एक मित्र अनिल लिया, वारंगल में प्रो. राव, वर्धा में उदयपाल भाईसाहब वाले मित्र तिवारी जी, नागपुर में मामा-मामी जी आदि, होशंगाबाद में डा गोपाल आवटे एवम् परिवार, गोपाल सराठे, भोपाल में चंद्रा चक्रवर्ती मैडम, आगरा में रवींद्रपाल यादव लाला एंड कंपनी, ग्वालियर में बाबा जी, फरीदाबाद में प्रभात और दिल्ली पहुँचकर तो असंख्य यादें ताज़ा हो उठती हैं। फिर दिल्ली से चंदन नगर तक की यात्रा में अपने ननिहाल, ददसाल के गाँव, पापाजी के गजरौला वाले दोस्त गंगाशरण, मित्र संजय गुप्ता और चंदन नगर पहुँचकर फिर से असंख्य स्मृतियों का अंबार लग जाता है। अब आप स्वयं ही देख लीजिए कि एक सफ़र ही कितनी सारी स्मृतियों को ताज़ा करा देता है और हमें लेखन के लिए प्रचुर मात्रा में सामग्री उपलब्ध करा देता है। बहरहाल, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बाहर आने पर हमने देखा कि दिनेश जी गाड़ी लेकर अभी तक नहीं आए हैं। हमने जब उन्हें फोन किया तो उन्होंने फोन पर बताया कि वह पास में ही लाल बत्ती पर जाम में फँसे हैं। दिल्ली में लाल बत्ती का बड़ा चक्कर है, जरा सा ध्यान चूका और एक बड़ा चालान आपके नाम। बस यूँ ही समझ लीजिए कि सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। और हाँ यह भी ध्यान रहे कि अगर आप एक बार रेड लाइट में फँसे तो फिर फँसते ही चले जाएंगे और फिर गंतव्य तक पहुँचने में आपके निर्धारित समय से कितना अधिक समय लगेगा, इसका आप अनुमान भी नहीं लगा सकते हैं। वैसे मैं आपको बताता चलूँ कि दिल्ली में इन लाल बत्तियों का उपयोग गाड़ियों को निर्देश देने और चालान काटने के अतिरिक्त तमाम उपयोगी वस्तुएँ बेचने, गाड़ी के शीशे खटखटा कर भीख माँगने, आपकी गाड़ी के शीशे साफ कर बख्शीश माँगने, शनि दान लेने और किसी घर/संस्थान आदि का पता बताने के लिए भी खूब किया जाता है। खैर, हम सब स्टेशन के बाहर स्थापित बैंक एटीएम के पास प्रतीक्षा करने लगे। हालाँकि सागरिका जी की छात्रा हमें अपने साथ अपने घर नोएडा ले जाने का आग्रह करती रही, लेकिन हमें मेरठ जाना आवश्यक था क्योंकि पिछली बार राकेश भाई की तबीयत बहुत खराब थी। हालाँकि वह फोन पर अब लगातार बेहतर होने की बात करते रहे हैं, फिर भी हमारी सबकी यह इच्छा है कि एक बार मिलकर उन्हें अपनी आँखों से देख लेंगे तो मन को एक अलग ही किस्म का सुकून मिलेगा। यूँ भी अस्वस्थता में जब कोई अपना हमें मिलने/देखने आता है तो हमें बहुत अच्छा लगता है और दुःख भी कम हो जाता है। मुझे फ़हमी बदायूनी का शेर याद आ रहा है, पूछ लेते वो बस मिज़ाज मिरा, कितना आसान था इलाज मिरा। लेकिन कई बार अपने प्रिय के आने से चेहरे पर आई रौनक का असर यूँ भी पड़ जाता है, उन के देखे से जो आ जाती है मुँह पर रौनक़, वो समझते हैं कि बीमार का हाल अच्छा है (मिर्ज़ा गालिब)। और नतीजन फिर से आपको देखने के लिए उनके आने की कोई गुंजाइश नहीं बाकी रहती। मैं आपको बता दूँ कि मैं और राकेश भैया लंबे समय तक एक साथ रहे हैं और शायद इसीलिए उनसे एक अलग किस्म का प्रेम और लगाव रहा है। वैसे तो वह मेरे बड़े भाई हैं परन्तु प्रारंभ से ही सब मुझे बड़ा और उन्हें छोटा भाई समझते हैं। मुझे याद है कि पहले कई बार जब मैं दिल्ली से मेरठ जाता और उनके बिजनेस पर बैठ जाता था, तो मुझसे मिलकर जाने वाले लोग बाद में उनसे बताते, त्यागी जी हम आपकी दुकान पर फलाँ दिन आए थे, आपके बड़े भाई साहब से मुलाकात हुई थी। आप शायद तब कहीं बाहर गए हुए थे और दुकान पर वहीं बैठे थे। यह सुनकर वह मुस्कुरा भर देते पर कभी भी यह स्पष्टीकरण नहीं करते कि बड़े भाई वह हैं और मैं छोटा भाई। शायद उन्हें यंग दिखने की प्रसन्नता होती हो या फिर कोई बड़ा भाई ना होने का गैप फुल होते देखने की खुशी। कुल मिलाकर हममें भाई के रिश्ते से अधिक मित्रता का रिश्ता ही ज्यादा है। इसीलिए तमाम सम-विषम परिस्थिति होने के बावजूद हम एक दूसरे से कहीं न कहीं भीतर से जुड़े/बँधे रहे हैं। यूँ तो अंदाज अपनी जिंदगी का रहा अलग, आँधियाँ चलती रही लेकिन दिया जलता रहा।

एकाएक ही प्रदीप जी का फोन आया कि वह गाड़ी लेकर आ गए हैं और हमारे सामने उसी लेन में खड़े हैं, जहाँ वह पिछली बार हमें चेन्नई के लिए छोड़ कर गए थे। मुझे एकाएक ही हिन्दी गीत की यह पंक्तियाँ याद आ गई, जहाँ से तुम मोड़ मुड़ गए थे वो मोड़ अब भी वही खड़े हैं...और साथ ही बच्चन जी की ये पंक्ति, इसलिए खड़ा रहा कि तुम मुझे पुकार लो...और हम सामान लेकर प्रदीप जी की और चल पड़े। पहले दिल्ली-मेरठ के सफर में जगह-जगह जाम मिलने की वजह से यात्रा बहुत दुश्वार लगती थी परंतु आजकल नए हाईवे बन जाने से यात्रा बहुत सुगम हो गई है और समय की भी काफी बचत हो जाती है, यही सब सोचकर यात्रियों को टोल टैक्स कम अखरता है। करीब दो घंटे में हम मेरठ, भैया के घर पहुँच चुके थे। वहाँ सब लोग हमारी प्रतीक्षा ही कर रहे थे, बल्कि भैया ने तो सुबह से तीन-चार बार फोन कर पूछ लिया था कि अब कहाँ तक पहुँचे? परस्पर अभिवादन के उपरांत सब ड्रॉइंग रूम में बैठ गए और फिर तमाम पुराण बाँचे गए। भैया भी कुछ देर साथ रहे, फिर एक घंटा आराम कर वापस मंडली में आ बैठे। उनकी तबीयत अब काफी बेहतर लग रही थी और वह बातों में खूब रस लेने के अतिरिक्त फुलझड़ी और पटाखे भी खूब छोड़ रहे थे और भाभी जी अपनी स्टाइल में कथ्यों को विस्तार दे रहीं थीं। अगस्त्य और औरव खूब हँस रहे थे। संडे होने की वजह से आज उनके दोनों बच्चे काशी और आशी भी वहीं थे। इसीलिए खूब आनन्द आ रहा था। काशी अपनी हल्की आवाज़ में छोटे छोटे हास्य-वृत्तांत सुनाकर बच्चों का खूब इंटरटेंमेंट कर रहा था और आशी जी अपनी वीरता और उपलब्धियों के किस्सों में व्यस्त थीं। बीच-बीच में उनके बचपन की स्मृतियों को भी हम लोग ताज़ा कर रहे थे। तभी आशी ने अपनी कम्पनी में हाल ही में हुए किसी फंक्शन का ज़िक्र करते हुए भैया के आग्रह पर अपने मोबाइल फोन में उस फंक्शन की खुद से जुड़ी कुछ तस्वीरें/वीडियो हमें दिखाईं। रैंप वॉक, डिबेट्स और खेलों में उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और उसके लिए इनाम/मेडल्स जीते। हमने इसके लिए उसको बधाई और शुभकामनाएं दीं, लेकिन यह बहुत ही ताज्जुब की बात रही कि हम उसे कहीं भी ठीक से क्या बिल्कुल नहीं पहचान पाए। चूँकि हमने उसे हमेशा घर में देखा है और उस फंक्शन के लिए उसने खुद को उसी के अनुरूप ढाला होगा और वो हमारी पहुँच से बाहर था-खुशबू अपने रस्ते खुद तय करती है, फूल तो डाली के होकर रह जाते हैं (प्रो. वसीम बरेलवी)। हम पुरानी सदी के लोग इस सदी को, इन नए बच्चों की तरह एक्सप्लोर ही कहाँ कर पाते हैं? मैं सोच रहा था कि कितना समय गुज़र गया...कभी छोटे-छोटे से दिखने वाले ये दोनों बच्चे अब उच्च शिक्षा ग्रहण कर अच्छी कंपनियों में सर्विस करते हुए स्वावलंबी और सेटल्ड हो गए हैं। स्टीव जॉब्स ने कहा है-महान काम करने का एकमात्र तरीका यह है कि आप जो भी काम करते हैं, उससे प्यार करें। वैसे मेरा हमेशा से यह मानना रहा है कि व्हाट वी लव टू डू, वी डू इट इन द बेस्ट वे। वैसे भी सफलता इसमें नहीं है कि आप क्या करते हैं बल्कि इसमें है कि आप कार्य को कितने मन से और कैसे करते हैं? यह भी हमेशा याद रखें कि कार्य से पहले सफलता सिर्फ़ डिक्शनरी में ही मिलती है और सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसलिए अपनी मेहनत और ईमानदारी से आप कितनी भी ऊँचाई पर पहुँच सकते हैं और न केवल अपने जीवन बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। हमें यह देखकर खुशी हुई कि उनके दोनों बच्चों ने अपनी राहें स्वयं चुनीं और अब अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी के संग कार्य करते हुए अपने कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा, सम्मान के साथ खूब तरक्की कर रहे हैं। बच्चों की उन्नति से माता-पिता सहित सभी अपनों को भी खुशी होती है। हमारे मुँह से अपने बच्चों की प्रशंसा सुन भैया का चेहरा चमक उठा और वो खुश होकर बोले, यह इनकी मेहनत के साथ-साथ इनके सत्कर्म और सभी बड़ों के आशीर्वाद का फल है।

प्रो. डॉ. सारिका मुकेश

'दाना' तुम तो बहुत अनुदार निकले

व्यंग्य
अरण्यरोदन

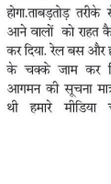

भाई , हम यह तो मान कर चल रहे थे कि तुम कोई मुंगफली के दाने नहीं हो,भले ही तुम्हारा नामकरण दाना रखा हो. हां,पहले-पहल जरूर दाना सुनकर तुम्हारी तुलना किसी चूजे से ही करना चाही थी लेकिन भला हो मीडिया वालों का जिन्होंने न जाने कहां कहां से खतरनाक रूप से उठती लहरों की क्लिपिंग्स बार-बार दिखाकर तुम्हारे खौ़फनाक मंजर से रू-ब-रू करवा दिया. तूफान के रफ़्तार पकड़ने से पहले ही तूफानी सीन क्रिएट करना कोई आसान काम है! यह काम हमारा मीडिया बखूबी कर सकता है. रिमोट दबा-दबाकर मीडिया चैनल बदल बदलकर हमने तो तुम्हारे खौफ से निजात पाना चाही लेकिन यह कहां संभव था.रामसे ब्रदर्स की खौफनाक फिल्में भी इन मीडिया चैनलों के सामने पानी भरती सी लगती हैं. एक से बढ़कर एक भूतहा दृश्यावली में निपुण!जिस तरह से रामगोपाल वर्मा 'डरना मना है' नाम देकर डराते रहे ठीक उसी प्रकार मीडिया चैनल को कोई मुद्दा मिलना चाहिए, उनकी स्क्रिप्ट ,दृष्यावली और प्रस्तुतिकरण ही ऐसा रहता है कि हॉरर मूवी भी शर्म से जमीन में धंस जाएं. तुम्हारे आगमन की सूचना किसी हॉरर फिल्म के ट्रेलर से कम नहीं थी. लगता है कि टीवी चैनलों की रिपोर्टिंग ऐसे किसी ट्रैलर से कम नहीं थी तभी तो यह सब देख-सुनकर सरकारों तक की चूलें हिल कर रह गई .वे तबाही के मंजर की कल्पना मात्र से ही कांप उठी और चीख उठीं कि हाय रब्बा,अब क्या होगा.ताबड़तोड़ तरीके से चपेट में आने वालों को राहत कैंप में शिफ्ट कर दिया. रेल बस और हवाई जहाज के चक्के जाम कर दिए. तुम्हारे आगमन की सूचना मात्र ही काफी थी हमारे मीडिया चैनलों के लिए!दिन-रात बस तुम्हारा खौफ. हम लोगों के तो पसीने छूट रहे थे. तुम्हारा खौफ इन टीवी चैनलों के माध्यम से वहाँ तक भी जा पहुंचा जहाँ तक तुम्हारे पहुंचकर गुजर जाने की रेंज भी नहीं थी.तुम तो खुद बेचारे शर्मसार होकर अपने ठहराव वाली जगह एक सौ दस किलोमीटर की रफ्तार से दस किलोमीटर की रफ्तार पर सिमट कर रह गए. क्या तुम खुद ही इन टीवी चैनलों की रिपोर्टिंग से भयाक्रांत हो गए थे ! सच-सच बताना जिन्हें बुरा लगना होगा लग जाएगा लेकिन हम आम जन को तो सच्चाई जानकर राहत ही मिलेगी.तुम्हारी इस उदारता पर सबसे ज्यादा राहत तो उन प्रदेशों की जनता को मिली जो तुमसे प्रभावित होने वाली थीं. अगले दिन जब टीवी चैनलों से तुम गायब हो गए तब लगा कि वास्तव में तुम तो अपने नाम के अनुरूप उदार न होकर बहुत अनुदार निकले जिसने आपदा को अवसर में बदलने की कल्पना संजोये अच्छे अच्छों की आकांक्षाओं पर तुषारापात कर दिया.अब समझ में आया कि कतर ने अरबी में तुम्हारा नाम दाना क्यों रखा.शायद बहुत सोच-समझकर ही यह नाम दिया गया हो .भले ही तुम चक्रवाती तूफानी रहे हो.लेकिन जिस तरह से खामोशी से आकर शांत हो गए, ऐसा तो हमारी मीडिया ने कभी सोचा भी नहीं था.%दाना% का मतलब तो %उदारता% है किन्तु अवसरों की बर्बादी कर तुम तो अनुदार साबित हो गए. कुछ लोग कारवां गुजर गया और गुबार देखते रह गए! और एक हम हैं कि बहुत राहत महसूस कर रहे हैं.

डॉ प्रदीप उपाध्याय
16, अम्बिका भवन,
उपाध्याय नगर, मेंढकी रोड,
देवास म.प्र.
455001
9425030009(मो)

सोने की अशर्फियां

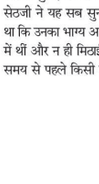

एक बार की बात है,एक सेठजी थे,जिनके पास बहुत धन-दौलत थी। सेठजी की एक बेटी थी, जिसकी शादी उन्होंने एक बड़े और प्रतिष्ठित परिवार में की थी। मगर बेटी के दुर्भाग्य के कारण उसका पति जुआरी और शराबी निकला,और उनके घर की सारी संपत्ति धीरे-धीरे खत्म हो गई। बेटी की इस हालत से सेठानीजी बेहद चिंतित रहती थीं। वे अक्सर सेठजी से कहतीं,आप तो दुनिया भर की मदद करते हो,लेकिन अपनी बेटी की मदद क्यों नहीं करते,जो इस कठिन समय से गुजर रही है सेठजी हमेशा शांत भाव से जवाब देते, जब उनके भाग्य का वक्त आएगा,तो मदद खुद चलकर उनके पास आएगी। एक दिन सेठजी किसी काम से बाहर गए हुए थे,तभी उनका दामाद अचानक उनके घर आ पहुंचा। सास,यानी सेठानीजी,ने दामाद का आदर-सत्कार किया और सोचा कि क्यों न अपनी बेटी की मदद की जाए। उन्हें एक उपाय सूझा उन्होंने मोतीचूर के लड्डुओं में सोने की अशर्फियां छिपाकर रख दीं,ताकि दामाद को यह लड्डू देकर उसकी आर्थिक मदद हो सके। सेठानीजी ने दामाद को विदा करते समय पांच किलो शुद्ध घी के लड्डू, जिनमें सोने की अशर्फियां थीं,उसे उपहार में दे दिए। दामाद लड्डू लेकर वहां से चला,लेकिन रास्ते में उसने सोचा,इतने भारी लड्डू घर तक ले जाने का कोई फायदा नहीं है,क्यों न इन्हें यहीं बेच दूं ?उसने पास की मिठाई की दुकान पर लड्डू बेच दिए और उन पैसों को अपनी जेब में डाल लिया। संयोगवश, उसी दिन सेठजी घर लौटते वक्त मिठाई की दुकान पर पहुंचे और उन्होंने घर के लिए कुछ मोतीचूर के लड्डू खरीदने का सोचा। दुकानदार ने वही लड्डू का पैकेट सेठजी को बेच दिया,जिसे कुछ देर पहले दामाद ने बेचा था। सेठजी लड्डू लेकर घर पहुंचे और सेठानी जी को लड्डू का वही पैकेट दिखाया। सेठानी जी ने जैसे ही लड्डू पैकेट देखा,वह चौंक गईं। उन्होंने एक लड्डू तोड़कर देखा,तो उसमें से वही सोने की अशर्फियां निकलीं जो उन्होंने दामाद के लिए छिपाई थीं। सेठानीजी अपना माथा पकड़कर बैठ गईं और सेठजी को पूरी कहानी सुनाई दामाद के आने से लेकर अशर्फियां छिपाने तक की पूरी बात। सेठजी ने यह सब सुनकर मुस्कुराते हुए कहा, भाग्यवान,मैंने पहले ही कहा था कि उनका भाग्य अभी नहीं जागा है। देखो,न तो अशर्फियां दामाद के भाग्य में थीं और न ही मिठाई वाले के। इसीलिए कहते हैं कि भाग्य से ज्यादा और समय से पहले किसी को कुछ नहीं मिलता।

प्रेमनारायण वेद
इंदौर

जेल में बंद कैदियों को दिए तथागत गौतम बुध्द के उपदेश

इन्दौर । इन्दौर केन्द्रीय जेल के समस्त बंदी अपना आगामी जीवन सदमार्ग पर बिताए इस उद्देष्य से बुधवार को डॉ. अम्बेडकर युग सेवा समिति के माध्यम से जेल परिसर में उज्जैन से पधारें बौध्द भंते धम्म किरण व भदंत धम्म बोधि द्वारा तथागत गौतम बुध्द के शांति, अहिंसा, करुणा से ओत-प्रोत उपदेश दिए गए ।

सामाजिक कार्यकर्ता मुरलीधर राहुल मेटांगे ने बताया की पहली बार किसी जेल में तथागत बुध्द के उपदेश दिए गए है । उन्होने कहा की बुध्द के उपदेश इतने प्रभावषाली है कि उसे सुनकर डाकू अंगुलीमाल भी हथियार व अपराध छोड़कर बुध्द की शरण में चला गया । बड़ी संख्या में बंदियों ने ध्यान से उपदेश सुने । उपदेश के पष्चात् समिति द्वारा जेल अधीक्षक अलका सोनकर व जेल उप अधीक्षक संतोष लढ़िया को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार प्रकट किया गया । दोनो भंते को सम्मानित किया गया । इस दौरान मुरलीधर राहुल मेटांगे, भीमराव सरदार, रघुवीर मरमट, योगेन्द्र गवांदे, भारत निम्बाड़कर, ईश्वर तायड़े, लक्की पिसे, ममता जनवदे, प्रतिभा मेटांगे मौजूद थे ।

जगदीश पटेल को याद किया

देपालपुर। देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्वर्गीय जगदीश पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर ब्लाक कांग्रेस देपालपुर द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मध्य प्रदेश में 3500 लोकेशंस पर प्रॉपर्टी हुई महंगी

इंदौर। मप्र के 55 जिलों में 3500 लोकेशंस पर प्रॉपर्टी के रेट बढ़ा दिए गए हैं। कलेक्टर्स ने 1 लाख 12 हजार लोकेशंस पर प्रॉपर्टी पर स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन चार्ज से सरकार की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रस्ताव भेजे थे। कलेक्टर गाइडलाइन में कीमतें बढ़ाने के प्रस्ताव को केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने मंजूरी दे दी है। बड़े महानगरों में सबसे ज्यादा 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी इंदौर जिले में की गई है। वहीं भोपाल में अभी कीमतों में बढ़त होल्ड पर है।

जारकारी के अनुसार प्रॉपर्टी रेट बढ़ाने का फैसला जिलों में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से मंजूर किए गए लेआउट प्लान की स्थिति, कितनी जमीन का डायवर्सन जिले में किस इलाके में किया गया, नॉन एग्रीकल्चर जमीन का उपयोग कहां बढ़ रहा है, लोकेशन के आधार पर रजिस्ट्री का डेटा एनालिसिस और लोकल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट, जिसमें बड़े प्रोजेक्ट की जानकारी आई के आधार पर किया गया।

इंदौर में 9 प्रतिशत लोकेशन पर बढ़त

भोपाल में अभी कीमतों में बढ़त होल्ड पर है। वहीं इंदौर में 9 प्रतिशत लोकेशन पर 3 प्रतिशत की बढ़त हुई है। जबकि ग्वालियर में 6 प्रतिशत लोकेशंस पर 2 प्रतिशत, जबलपुर में 7 प्रतिशत लोकेशंस पर 2.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ प्रदेशभर में 3 प्रतिशत लोकेशंस पर 0.94 प्रतिशत की बढ़त हुई है।

डिप्टी सीएम के हस्तक्षेप से रुका भोपाल का फैसला

भोपाल जिले की प्रॉपर्टी की कीमतें बढ़ाने के मामले में कलेक्टर भोपाल क्रेडाई (कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) की बैठक बुलाकर सुझाव देंगे, इसके बाद ही यहां कीमतें बढ़ाने का फैसला किया जाएगा। भोपाल की जमीन संबंधी कलेक्टर गाइडलाइन के मामले में यह निर्णय केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने लिया है।

दरअसल, डिप्टी सीएम और वित्त व वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा से भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक भोपाल दक्षिण पश्चिम भगवान दास सबनानी ने प्रॉपर्टी की कीमतें नहीं बढ़ाने की मांग की थी। इसके साथ ही भोपाल क्रेडाई ने भी इसका विरोध किया था और इसको लेकर सांसद, विधायक को पत्र लिखकर कहा था कि क्रेडाई का पक्ष नहीं सुना जाता है, इसलिए आईजी पंजीयन ने तय किया है कि पहले भोपाल कलेक्टर क्रेडाई का पक्ष सुनेंगे, इसके बाद जो प्रस्ताव वृद्धि के संबंध में भेजेंगे, उस पर विचार किया जाएगा।

अब प्रदेश में कामदार अफसरों की होगी पूछ-परख

जल्द होने वाले बड़े प्रशासनिक फेरबदल में दिखेगा असर

इंदौर। प्रदेश को नए प्रशासनिक मुखिया मिलने के बाद अब एक बार फिर बड़ी प्रशासनिक जमावट की तैयारी की जा रही है। इसमें मैदानी से लेकर मंत्रालय स्तर तक उन अफसरों को पूरी तवज्जो दी जाएगी, जो अपने साफ सुथरे कामकाज की वजह से चर्चा में रहते हैं और लोगों में भी लोकप्रिय माने जाते हैं। दरअसल, नए मुख्य सचिव बने हुए अनुराग जैन को अब एक पखवाड़े से अधिक का समय हो चुका है। ऐसे में वे अब पूरी तरह से कामकाज को समझ चुके हैं।

मप्र कैडर के होने की वजह से वे अधिकांश अफसरों की कार्यशैली पहले से ही समझते हैं। ऐसे में यह तो तय है कि वे अपने हिसाब से टीम का चयन करेंगें। इसकी वजह से मैदानी स्तर से लेकर मंत्रालय स्तर तक अफसरों में फेरबदल होना तय है। अनुराग जैन को एक सख्त व निर्णय लेने वाला अफसर माना जाता है। संभावित फेरबदल को लेकर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अपर मुख्य सचिव डा. राजेश राजौरा के बीच पहले दौर की बातचीत हो चुकी है, अब एक और दौर की बातें होनी है, जिसके बाद तबादला सूची जारी कर दी जाएगी। माना जा रहा है कि नई पदस्थापना सूची दीपावली के बाद जारी की जाएगी।

इस फेरबदल में साफ छवि और तेजतर्रार कार्यशैली वाले अधिकारियों का विशेष रुप से ध्यान रखा जाएगा, जिसके चलते उन्हें महत्वपूर्ण विभागों के अलावा सरकार की प्राथमिकता वाले विषयों से जुड़े विभागों में पदस्थ किया जाएगा। इसके अलावा उन अफसरों को भी राहत दी जाएगी, जो इस समय एक साथ कई -कई विभागों का दायित्व निभा रहे हैं। इसमें उन अफसरों को भी राहत दी जाएगी, जो मुख्यमंत्री सचिवालय का भी काम देख रहे हैं। जिन अधिकारियों के कामकाज का बोझ कम किया जाना है उनमें प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय शुक्ला तथा सचिव कार्मिक एम सेलवेन्द्रन का नाम है।

संजय शुक्ला के पास मुख्यमंत्री कार्यालय के कामकाज के साथ प्रमुख सचिव महिला व बाल विकास तथा खनिज साधन का भी प्रभार है। शुक्ला ने खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव का पद अन्य किसी अधिकारी को सौंपने का आग्रह किया है। एम सेलवेन्द्रन के पास सचिव कार्मिक के साथ सचिव कृषि, आयुक्त मंडी तथा महानिरीक्षक पंजीयन तथा मुद्रांक का भी प्रभार है। अतिविश्वसनीय सूत्रों के अनुसार आयुक्त मंडी

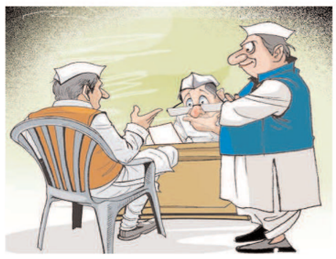

तथा महानिरीक्षक पंजीयन व मुद्रांक का प्रभार किसी अन्य अधिकारी को सौंपा जाएगा। प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया बनने के बाद से मुख्य सचिव अनुराग जैन लगातार कामकाज को लेकर बैठकें कर रहे हैं। वे लगभग सभी विभाग और विभागाध्यक्षों से चर्चा कर चुके हैं। माना जा रहा है कि जिन विभागों में फेरगदल हो सकता है उनमें कृषि, स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, वित्त, गृह, परिवहन, राजस्व, खनिज, लोक निर्माण विभाग समेत अन्य प्रमुख विभागों में विभागाध्यक्ष से लेकर प्रमुख सचिव तक बदले जा सकते हैं। माना जा रहा है कि होने वाले फेरबदल में बेहतर कामकाज वाले अफसरों को बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी , जो किसी न किसी कारण से कामकाज वाली जगहों पर अभी पदस्थ हैं।

कोठारी का बदल सकता है विभाग

आयुक्त उद्योग तथा सचिव सूक्ष्म व मध्यम उद्योग नवनीत मोहन कोठारी का विभाग बदला जा सकता है। बताया जाता है कि विभाग की निलंबित महिला अधिकारी अनुराधा सिंघई द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को की गई शिकायत को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। सरकार शिकायत की जांच वरिष्ठ अधिकारी से कराने जा रही है। इसके पूर्व कोठारी का विभाग बदला जाएगा, ताकि जांच किसी तरह प्रभावित न हो। मुख्य सचिव अनुराग जैन काम-काज में पारदर्शिता चाहते हैं। इसलिए हर शिकायत को गंभीरता से ले रहे हैं।

यह होंगे प्रभावित

प्रमुख सचिव आदिमजाति अनुसूचित जाति कल्याण तथा पशुपालन व आयुक्त आदिमजाति कल्याण ई रमेश कुमार के कामकाज से मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव खुश नहीं है। उनके खिलाफ कुछ शिकायतें भी सरकार के पास पहुंची है। संभावना है कि उनके विभागों में कटौती की जाएगी अथवा विभाग बदला जाएगा। आयुक्त जनजाति के पद पर भी किसी अफसर को पदस्थ किया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह की विभाग के सचिव डा. संजय गोयल से पटरी नहीं बैठ रही है। मंत्री ने शिकायत की है कि सचिव फाइलों में निर्णय लेने में काफी देर करते हैं। कमिश्नर जबलपुर, सागर तथा कलेक्टर सिंगरौली, उज्जैन, रायसेन, होशंगाबाद, रतलाम, जबलपुर आदि को भी बदला जा सकता है।

सिंगरौली कलेक्टर व एसपी को हटाने के लिए जिले के विधायकों ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को पत्र सौंपा है, जिसमें उनके कामकाज के तरीके पर नाराजगी व्यक्त की गई है। मुख्यसचिव अनुराग जैन ने कमिश्नर, कलेक्टर, आईजी व एसपी की पहली कांफ्रेंस में कुछ अधिकारियों के कामकाज पर नाराजगी व्यक्त की है। सूत्रों के अनुसार प्रमुख सचिव गुलशन बामरा, उमाकांत उमराव, विवेक पोरवाल, श्रीमती रश्मि अरूण शमी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसी तरह जूनियर अधिकारियों में धनंजय भदौरिया, श्रीमती नेहा मारव्या, अजय कटेसरिया आदि को भी नई जिम्मेदारी मिल सकती है। मुख्य सचिव अनुराग जैन विभागाध्यक्ष कार्यालयों की व्यवस्था सुधारने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में कामकाज के आधार पर कुछ विभागाध्यक्षों की नई जिम्मेदारी तय हो सकती है। इसी तरह मैदानी पदस्थापना वाले अधिकारियों की भी कामकाज के आधार पर जिम्मेदारी तय की जा सकती है।

सी एम हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण को लेकर समीक्षा बैठक

शिकायतों का निराकरण ही नही, फरियादी को पूर्ण संतुष्टि के हो हमारे प्रयास

इंदौर(मनीष शर्मा)। प्रदेश की आम जनता की समस्याओं के समाधान व शिकायतों के निराकरण हेतु शिकायतकर्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, सी.एम. हेल्पलाइन शिकायत पोर्टल का संचालन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत शिकायतों का प्राथमिक स्तर पर ही संतुष्टि पूर्वक त्वरित निराकरण हो, इसको ध्यान में रखते हुए, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (शिकायत/मा.अ.) पुलिस मुख्यालय भोपाल डी.सी. सागर द्वारा इंदौर नगरीय पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ एक समीक्षा बैठक ली गई।

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बैठक में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अति. पुलिस आयुक्त,अमित सिंह, अति. पुलिस आयुक्त, मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित सभी पुलिस उपायुक्तगण एवं सभी थाना प्रभारीगण उपस्थित रहें।

इस दौरान एडीजी द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों के निराकरण के संबंध में चर्चा की और प्राथमिकता के आधार पर आमजन की समस्याओं

की शिकायतों बीके संतुष्टि पूर्वक निराकरण लेवल-1 एवं लेवल -2 स्तर पर कराए जाए तथा विशेष तौर पर नाबालिक बच्चों/बच्चियों के अपहरण एवं महिला संबंधी शिकायतों के निराकरण हेतु विशेष जोर दिया जाए, निर्देशित किया गया। सभी थाना प्रभारियों से कहा कि पुलिस थाना हमारी प्राथमिक इकाई है, यदि यहीं पर फरियादियों की संतुष्टि पूर्वक त्वरित कार्यवाही हो जाएगी तो, आगे वरिष्ठ स्तर पर शिकायतों की संख्या अपने आप कम हो जाएगी, तो इस ओर विशेष ध्यान दें और शिकायतों के केवल निराकरण ही नही, अपितु कार्यवाही कर फरियादी को पूर्ण संतुष्टि प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास करें।

उन्होंने सभी से कहा कि आप सभी पुलिस के कर्मठ अधिकारी है और जिस प्रकार पुलिसिंग के अन्य क्षेत्रों में बेहतर कार्य कर रहे है उसी प्रकार इन शिकायतों के निराकरण में भी विशेष रुचि लेकर अपना सर्वोच्च देने का प्रयास करें और , सी.एम. हेल्पलाईन के ध्येय वाक्य ÷जन हेतु-जन सेतु÷ के तहत एक बेहतर पुलिस प्रशासन आमजन को मिलें, इसके लिए हमेशा तत्पर रहें। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर श्री सिंह ने सभी से कहा कि आमजन की सुविधा व उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ही पुलिस प्रशासन है। तो पीड़ितजन की छोटी से छोटी शिकायतों को भी पूर्ण गंभीरता से लिया जाए और उनके त्वरित व संतोषजनक निराकरण हेतु विशेष प्राथमिकता के साथ कार्यवाही की जाए। प्रायः किसी भी समस्या होने पर सर्वप्रथम फरियादी शिकायत लेकर पुलिस थाने ही आता है तो, सबसे पहले अच्छा व्यवहार कर ध्यानपूर्वक उसकी समस्या सुने, और उसके समाधान के लिए विधिनुसार हरसंभव प्रयास करे।

और शिकायतकर्ता की समस्या के निदान हेतु प्रभावी व त्वरित कार्यवाही कर आवेदक को भी अवगत करवाकर, संतुष्टिपूर्वक निराकरण समय सीमा में करने के लिए निर्देशित किया गया।

छात्रवृत्ति प्रोफाइल अपडेशन का कार्य त्वरित गति से पूर्ण करे

इंदौर। जनजातीय विभाग के प्रमुख सचिव ई.रमेश कुमार ने मध्यप्रदेश के सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक के अनुसूचित जाति, जनजाति के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति से जुड़े प्रोफाइल अपडेशन का कार्य त्वरित गति से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि 15 नवम्बर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में समस्त जिला मुख्यालयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करें।

समस्त कलेक्टर्स धरती आभा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से संबंधित जानकारी प्रेषित करें। उकाशय के निर्देश प्रमुख सचिव ने आज मंत्रालय से वी.सी. के माध्यम से प्रदेश के सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स को दिए। भोपाल संभागायुक्त संजीव सिंह, संयुक्त आयुक्त विनोद यादव एवं सहायक नियोजन अधिकारी जनजाति विभाग अजय जायसवाल आयुक्त कार्यालय में वीसी बैठक में उपस्थित रहे। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि समाधान ऑनलाईन में लंबित अनुसूचित जाति एवं जनजाति के हितग्राहियों से संबंधित प्रकरणों का त्वरित गति से निराकरण करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि दीदी कैफे, आहार अनुदान योजना, अनुकंपा नियुक्ति सहित अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ इन वर्गों को मिले यह सुनिश्चित करें ।

संगीत महाविद्यालय में अतिथि संगतकार की होगी भर्ती

इंदौर। लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय चिमनबाग इन्दौर में अतिथि तबला संगतकार के अस्थाई पद के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। तबला संगतकार गायन/वादन/कथक नृत्य विधा के लिये 02 पदों पर भर्ती की जाएगी।

इसके लिए शैक्षणिक योग्यता प्रभाकर/विशारद/विद संबंधित विषय में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से उत्तीर्ण एवं कम्प्यूटर का ज्ञान आवश्यक है। आवेदक अपने आवेदन 10 दिवस के भीतर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेंगे।

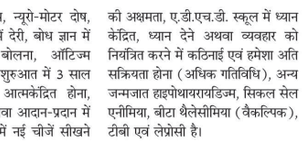

मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना नन्हीं पूजा के जीवन के लिए बनीं वरदान

इंदौर। इन्दौर जिले के महू निवासी धनेंद्र (परिवर्तित नाम) के परिवार में बेटी का जन्म हुआ। खुशियां भरे वातावरण में बेटी का बड़े ही प्यार से नाम पूजा (परिवर्तित नाम) रखा गया। परिवार में यह खुशियां कुछ ही दिन की थी। नन्ही पूजा का बड़े ही प्यार और दुलार से लालन-पालन किया जा रहा था। इसी दौरान बच्ची द्वारा कोई हावभाव और बोलचाल नहीं करने से परिजनों के माथे पर चिंता की लकीरें आने लगी।

परिवार जनों को लगा पूजा छोटी है। बड़ी होने पर सब सामान्य हो जाएगा लेकिन इसी दौरान यशवंत नगर स्थित आंगनवाडी केन्द्र पर भ्रमण के दौरान आरबीएसके टीम को यह बात मालूम हुई, टीम द्वारा तत्काल परिजनों से संपर्क कर नन्ही पूजा का स्वास्थ्य परीक्षण किया। उन्होंने कुछ शंका होने पर तत्काल पूजा को जिला चिकित्सालय स्थित आरबीएसके के केन्द्र पर संपर्क करने की सलाह दी।

यहां पूजा का चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा बताया गया कि निहारिका जन्म से मूक बधिर है। यह सुनते ही परिजनों के होश उड़ गए। चिकित्सकों ने परिजनों को हौसला दिलाया और इलाज संभव होने की बात कही। परिजनों की काउंसलिंग करने के बाद आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण पश्चात ऑपरेशन के लिए नन्हीं पूजा को चोईथराम हॉस्पिटल के लिए रेफर किया गया। 8 फरवरी 2024 का वह दिन जब नन्ही पूजा का ऑपरेशन हुआ और आज वह सुन पा रही है। साथ ही थोड़े-थोड़े शब्द बोल भी पा रही है। बेटी की पहली आवाज और बोलने पर उसके कानों की हरकत देख माता-पिता और परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सभी की आंखों से खुशी के आंसू निकल आए।

आरबीएसके चिकित्सकों द्वारा नन्हीं पूजा की नियमित रूप से आडियो-वीडियो थैरेपी की जा रही है। नन्हीं पूजा के माता-पिता राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना से बेटी के सफल ऑपरेशन से बेहद खुश है।

आरबीएसके अंतर्गत बाल स्वास्थ्य जांच एवं आरंभिक उपचार सेवाओं के लिए चयनित स्वास्थ्य दशाएँ 4 डी में प्रमुख है। इसमें जन्म से विकृति दोष में न्यूरल ट्यूब विकृति, डाउन्स सिन्ड्रोम, कटे होंठ एवं तालु, केवल कटे तालु, टैलिप्स (क्लब फुट), कूल्हे (हिप) का ठीक से विकास न होना (डिस्प्लेसिया), जन्मजात मोतियाबिंद, जन्मजात बहरापन, जन्मजात हृदय रोग, दृष्टिपटल विकृति (समय से पहले जन्म लिए शिशुओं में आंखों के परिपक्व पर्दे की समस्या) है।

विकास संबंधी देरी एवं विकलांगता में दृष्टि दोष, श्रवण दोष, न्यूरो-मोटर दोष, हाथ-पैर को चलाने में देरी, बोध ज्ञान में विलंब, देरी से बोलना, ऑटिज्म आत्मकेंद्रित विकार (शुरुआत में 3 साल की उम्र से पहले आत्मकेंद्रित होना, सामाजिक संपर्क अथवा आदान-प्रदान में कमी, स्कूली बच्चों में नई चीजें सीखने की अक्षमता, ए.डी.एच.डी. स्कूल में ध्यान केंद्रित, ध्यान देने अथवा व्यवहार को नियंत्रित करने में कठिनाई एवं हमेशा अति सक्रियता होना (अधिक गतिविधि), अन्य जन्मजात हाइपोथायरायडिज्म, सिकल सेल एनीमिया, बीटा थैलेसीमिया (वैकल्पिक), टीबी एवं लेप्रोसी है।

रीवा-इंदौर-रीवा के मध्यी चलेगी स्पे शल ट्रेन

इंदौर। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए रीवा-इंदौर-रीवा के मध्य दोनों दिशाओं में एक-एक फेरा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्यान 02186 रीवा इंदौर स्पे शल 06 नवम्बर, 2024 बुधवार को रीवा से 20.45 बजे चलकर 11.10 बजे गुरूवार को इंदौर पहुँचेगी। यह ट्रेन गुरूवार को 09.00 बजे उज्जैन आयेगी। वापसी में गाड़ी संख्याज 02183 इंदौर रीवा स्पेशल 07 नवम्बर, 2024 गुरूवार को इंदौर से 13.00 बजे चलकर शुक्रवार को 03.45 बजे रीवा पहुँचेगी। यह ट्रेन गुरूवार को 14.25 बजे उज्जैवन पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, भोपाल, संत हिरदाराम नगर एवं उज्जैयन रेलवे स्टेनशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन एक फर्स्ट् एसी, एक सेकंड एसी, चार थर्ड एसी, तेरह स्लीपपर तीन सामान्यक कोच एवं दो एसएलआर कोच के साथ चलेगी।

त्रिवेणी एमपी3 कॉन्सर्ट टूर का अनावरण समारोह

अनूप जलोटा, हरिहरन और शंकर महादेवन, 30 दिसंबर, को इंदौर में दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार!

इंदौर। भारत के 12 शहरों की एक अभूतपूर्व यात्रा, त्रिवेणी एमपी3 कॉन्सर्ट टूर, आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। इसमें भारतीय संगीत के तीन दिग्गज- अनूप जलोटा, हरिहरन और शंकर महादेवन अपने पहले दौरे के लिए एकसाथ आ रहे हैं। यह त्रिवेणी एमपी3 कॉन्सर्ट टूर, अपने पारंपरिक और समकालीन भारतीय संगीत को एकसाथ लाकर दर्शकों को एकल और सहयोगी (जुगलबंदी) प्रदर्शनों के साथ एक अविस्मरणीय अनुभव का वादा करती है, जो भारत की समृद्ध संगीत विरासत को खूबसूरती का एहसास दिलाएगी।

विशेष टिकटिंग पार्टनर इनसाइडर और ज़ोमैटो लाइव प्रशंसकों के लिए सुव्यवस्थित सेवा प्रदान करेंगे, जिससे सभी 12 शहरों में टिकट ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएंगे । त्रिवेणी एमपी3 न्यू ईयर बोनान्ज़ा के लिए अर्ली बर्ड टिकट 4 नवंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। अपने सीमित उपलब्धता के कारण प्रशंसकों को इस अनोखे अनुभव के लिए पहले से ही अपने स्थान सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। यह टूर 27 दिसंबर को अहमदाबाद में शुरू होगा, इसके बाद 29 दिसंबर को दिल्ली और 30 दिसंबर, 2024 को इंदौर में प्रदर्शन होंगे, जो इसे शक्तिशाली संगीत और कलात्मकता की शाम के साथ नए साल का जश्न मनाने का एक रोमांचक तरीका बना देगा।

यह बहुप्रतीक्षित टूर एमएच फिल्म्स द्वारा फेम प्लेयर्स के तहत संचालित किया जाएगा, जो प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मनीष हरिशंकर की रचनात्मक दृष्टि है, जो इस शो के निर्देशक भी हैं। चारफुटिया छोकरे और लाली की शादी में लड्डू दीवाना जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए मशहूर हरिशंकर कॉन्सर्ट के अनुभव में एक सिनेमाई स्पर्श पर लेकर जाते हैं। प्रत्येक कॉन्सर्ट में गतिशील मंचन, उच्च तकनीक वाले दृश्य प्रभाव, इमर्सिव लाइटिंग और सिंक्रोनाइज्ड स्क्रीन प्रोजेक्शन होंगे, जो प्रत्येक उस्ताद गायक की शैली के अनूठे रूप, जैसे अनूप जलोटा की भावपूर्ण भावपूर्ण प्रस्तुतियां, हरिहरन की सुखदायक गज़लें और शंकर महादेवन की उच्च ऊर्जा वाली रचनाओं को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण के लिए शिविर शुक्रवार और शनिवार को

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा सोमवार को हुई समय-सीमा संबंधित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशानुसार तहसील और अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालयों में सीएम हेल्पलाइन संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे है।

इसी सिलसिले में बिचौली मर्दाना क्षेत्र के राजस्व विभाग से संबंधित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि से संबंधित सीएम हेल्पलाइन संबंधी प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए 8 और 9 नवम्बर 2024 को शिविर आयोजित किया गया है। तहसील कार्यालय संबंधी आवेदनों का निराकरण शुक्रवार 08 नवम्बर को और नायब तहसीलदार संबंधित प्रकरणों का निराकरण शनिवार 09 नवम्बर को किया जाएगा। संबंधित राजस्व अधिकारी अपने अमले सहित शिविर में उपस्थित रहकर संबंधित आवेदक से चर्चा कर शिकायतों का तत्काल निराकरण करेंगे। सीएम हेल्पलाइन में शिकायतें दर्ज कराने वाले आवेदकों से आग्रह किया गया है कि वे अपनी समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए शिविर में उपस्थित रहें। शिविर कलेक्टर कार्यालय स्थित बिचौली मर्दाना क्षेत्र के नायब तहसीलदार/ तहसीलदार कार्यालय में आयोजित होंगे।

सुपर-100 योजना से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मिला प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़ने का अवसर

इंदौर। प्रदेश में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को श्रेष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश दिलाये जाने के मकसद से भोपाल के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और इंदौर के शासकीय मल्हाआश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आवासीय सुविधा के साथ सुपर-100 योजना का क्रियान्वयन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जा रहा है।

योजना में माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को चयन परीक्षा के जरिये प्रवेश देने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

चयनित विद्यार्थियों को कक्षा-11वीं एवं 12वीं में देश के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल और सीए फाउण्डेशन की प्रतियोगी परीक्षा के लिये 300 छात्र-छात्राओं को श्रेष्ठ कोचिंग दिलाई जा रही है। इसी साल हुई जेईई मेन्स में 50, जेईई एडवांस में 12 तथा नीट में 83 विद्यार्थियों ने कॉउंसलिंग के लिये चयन परीक्षा पास की। इन विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

सकारात्मक सोच और दृढ़ निश्चय सफलता की ओर ले जाता है

इंदौर। श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, इंदौर द्वारा 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए तैयार किये गए अनोखे कार्यक्रम सृजन का उद्घाटन भव्य समारोह में हुआ। सृजन कार्यक्रम, प्रतिभा प्रदर्शन, मार्गदर्शन सत्र और प्रेरणा का एक अनूठा मिश्रण है, यह छात्रों की अव्यक्त क्षमता को पोषित करने और उन्हें संभावनाओं से भरे भविष्य की ओर मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक मंच है ।

इस समारोह में श्री वैष्णव ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री पुरूषोत्तमदासजी पसारी, संस्थान के अध्यक्ष देवेन्द्रकुमारजी मुछाल, सचिव विष्णुजी पसारी, उपाध्यक्ष श्री गिरधर गोपालजी नागर, संयुक्त सचिव शरदजी तुलस्यान, कोषाध्यक्ष मनीषजी बाहेती एवं वैष्णव न्यास के सम्माननीय न्यासीगण उपस्थित थे।

संस्थान के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि स्कूली छात्रों के मन में 10वीं कक्षा से ही अपने भविष्य को लेके कई सवाल तथा उलझने पैदा होने लगती है उन्हें समझ नहीं आता है कि कौन सा विषय और कॉरियर उन्हें चुनना चाहिए। सृजन कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें वर्चुअल दुनिया से हटकर जीवन दर्शन एवं अनुभवों के माध्यम से सही दिशा दिखाने का प्रयास है।

श्री वैष्णव ट्रस्ट समूह के अध्यक्ष एवं श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री पुरूषोत्तमदासजी पसारी ने कहा की संस्थान द्वारा विगत छः वर्षों से सृजन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इसके माध्यम से हजारों विद्यार्थियों में शिक्षा और संस्कारों का बीजारोपण करने का प्रयत्न किया जाता है।

संस्थान के अध्यक्षश्री देवेन्द्रकुमारजी मुछाल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन मुख्य रूप से सीखने और समझने के लिए ही है, जिसके फलस्वरूप एक नयी नींव स्थापित की जा सके।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजीव गोयल, मोटिवेशनल स्पीकर और निदेशक, ब्लू बुद्धा एजुकेशन ग्रुप, ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और बताया कि जीवन में सकारात्मक सोच और दृढ़ निश्चय किस तरह से सफलता की ओर ले जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने का संदेश दिया। सफल भविष्य के लिए अनुशासन, मेहनत, आत्म-विश्वास, सतत सीखने की प्रवृत्ति और परिस्थितियों के अनुसार ढलने की सलाह दी।

विशेष अतिथि सुश्री चेतना शर्मा, यंग इंफ्लुएंसर एवं मोटिवेटर तथा को-फाउंडर, चेतारू वेब लिंक प्रा. लि., ने विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों पर चर्चा ।संचालन सुश्री आयुषी रावल ने किया तथा आभार संस्थान के सचिव श्री विष्णुजी पसारी ने माना। इस भव्य समारोह में इंदौर के 40 से अधिक स्कूलों के लगभग 3500 विद्यार्थियों ने उत्सुकता के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में श्री वैष्णव समूह एवं अन्य विद्यालयों के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष डॉ. क्षमा पैठणकर,, प्रबंधन प्रमुख (पीजी/यूजी) डॉ. मंदीप गिल, डॉ. दीपा कटियाल, प्रशासनिक अधिकारी श्री समर्थ शर्मा, प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजन डॉ सोमेश्वर जोशी, डॉ. खुशबु जैन एवं डॉ कृतिका नीमा ने किया।

15 से गिरेगा दिन और रात का पारा

प्रदेश में 20 तक कड़ाके की ठंड के आसार नहीं

इंदौर। प्रदेश में इस बार ठंड की आमद कुछ लेट है। दिन में तो तेज धूप के कारण गर्मी के दिनों जैसा अहसास हो रहा है। सिर्फ रात और अलसुबह के बीच ठंडक महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 15 नवंबर से दिन और रात के तापमान में गिरावट नजर आएगी। हालांकि यह बहुत ज्यादा नहीं होगी। इसके कारण 20 नवंबर तक मप्र में कड़ाके की ठंड के कोई आसार नहीं हैं।

प्रदेश में ठंड अब धीरे-धीरे बढ़ने लगी है और रात के तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुच चुका है। विशेष रूप से पचमढ़ी में ठंड का असर सबसे अधिक महसूस किया जा रहा है, जहा का न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 नवंबर के बाद प्रदेश में ठंड और बढ़ेगी। उत्तरी हवाओं के चलते तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। इससे ठंड का प्रभाव ग्वालियर, चंबल सहित अन्य उत्तरी क्षेत्रों में भी बढ़ेगा।

खेती के लिए अनुकूल मौसम शुरू

कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि इस समय का मौसम खेती-बाड़ी के लिए विशेषकर गेहूं की फसल की बुवाई के लिए अनुकूल है।

कृषि विज्ञान केंद्र, शाजापुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसएस धाकड़ ने बताया कि 20 अक्टूबर के बाद से चने की बुवाई शुरू हो चुकी है और अब गेहूं की बुवाई का समय है। गेहूं की बुवाई के लिए आदर्श तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए। वर्तमान में मौसम इसी के अनुकूल है, जिससे किसान बिना किसी चिंता के गेहूं की फसल की बुवाई कर सकते हैं। मध्यप्रदेश में करीब 1.25 लाख हेक्टेयर भूमि में गेहूं की खेती की जाती है, और मौजूदा मौसम इस फसल के लिए उपयुक्त बन गया है।

कई शहरों में रात का तापमान कम

15 नवंबर के बाद उत्तरी हवाओं का प्रवाह बढ़ने की संभावना है, जिससे तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जा सकती है। इस समय प्रदेश के कई शहरों में रात्रि का तापमान नीचे चला गया है, लेकिन दिन के समय अभी भी गर्मी महसूस की जा रही है। अधिकतर शहरों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के ऊपर ही है। मौसम विभाग के अनुसार, नवंबर के पहले सप्ताह में प्रदेश का मौसम आमतौर पर ऐसा ही रहता है। उत्तरी भारत में बर्फबारी शुरू होने के बाद मध्यप्रदेश में ठंड का प्रभाव अधिक बढ़ जाता है। इस साल भी, नवंबर के दूसरे सप्ताह में उत्तर से ठंडी हवाएं आने की संभावना है, जिससे ठंड का असर और तीव्र हो जाएगा। पिछले दस सालों में देखा गया है कि ठंड का यही ट्रेंड नवंबर के मध्य से शुरू होता है और दिसंबर तक ठंड में वृद्धि होती रहती है।

विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित

इंदौर। विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत विधिक सेवा के बारे में जानकारी और जिम्मेदारियों का बोध कराने के लिये चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगता का आयोजन शासकीय अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02 में किया गया। प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि जिला विधिक सेवा द्वारा आयोजित इन प्रतियोगिताओं में विद्यालय की छात्राओं ने बहुरंगों का उपयोग कर दर्शनीय एवं नयनाभिराम चित्रों और स्लोगनों के पोस्टर बनाये। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम रिया हरिओम नागौरी, द्वितीय निकिता रामकुमार गरोठिया एवं तृतीय नीलू बालमुकुंद सुमन रहे, उन्हें पुरस्कृत किया गया। सांत्वना पुरस्कार दीया सुनील वडनेरे को प्रदान किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में करिश्मा मोनू केवट को प्रथम, महक राजेश जयसवाल को द्वितीय एवं योगिता रिंकू लोदवाल को तृतीय पुरस्कार मिला। प्रतियोगिता की निर्णायक स्मिता जैन, शीपांगी जोशी और छाया पाटिल एवं सुषमा राठौर थीं। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण से पीएलवी श्री पूनमचंद परमार भी उपस्थित थे।

संगीत महाविद्यालय में अतिथि संगतकार हेतु आवेदन आमंत्रित

इन्दौर। अतिथि तबला संगतकार के अस्थायी पद के लिए योग्य उम्मीदवारों से लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय (चिमनबाग) द्वारा आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महाविद्यालय को तबला संगतकार गायन, वादन, कथक नृत्य विधा के लिए दो पदों पर भर्ती की जानी है।उम्मीदवार अपने आवेदन पन्द्रह नवम्बर तक महाविद्यालय को प्रेषित कर सकते हैं।

डेयरी विकास के माध्यम से पशुपालकों की आय में वृद्धि विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आज

इंदौर। इंदौर संभाग में डेयरी विकास के माध्यम से पशुपालकों की आय में वृद्धि विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 07 नवंबर 2024 गुरुवार को किया जा रहा है। यह कार्यशाला वेटनरी कॉलेज महू में प्रातः 10 बजे से आयोजित की जा रही है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

कार्यशाला में नानाजी देशमुख वेटनरी विश्वविद्यालय जबलपुर के वाइस चांसलर प्रोफ़ेसर डॉ. मंदीप शर्मा विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। पशुपालन विभाग के डायरेक्टर डॉ. पी.एस. पटेल, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

कार्यशाला में वेटनरी काउंसिल ऑफ़ इंडिया नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. यू.सी. शर्मा द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट करनाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. मोहन लाल कंबोज और डॉ. चन्द्र दत्त पशुपालन और डेयरी उत्पादन के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। एनिमल ब्रीडिंग आनंद गुजरात के सीनियर मैनेजर डॉ. पराग पंड्या और डॉ. मयंक टंडन द्वारा भी सत्र को संबोधित किया जाएगा।

संभाग में डेयरी विकास के माध्यम से पशुपालकों की आय में वृद्धि के लिए किए जाने वाले प्रयासों के संबंध में यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। संभागायुक्त इन्दौर श्री दीपक सिंह की पहल पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा पशु चिकित्सा एवं पशु महाविद्यालय महू के संयुक्त प्रयास से यह कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

जन्म से मृत्यु तक की सभी जनसेवाएं मिलेंगी ऑनलाइन

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में लागू होगी 'ई-ऑफिस' प्रणाली

इंदौर। प्रदेश के नगरीय निकायों में जनसुविधाओं से लेकर जन समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया अब पूरी तरह से ऑनलाइन हो गई है। संबंधित निकाय से जुड़े सभी तरह के कार्य अब ई-नगर पालिका के जरिए ही होंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के उद्देश्य से वेब आधारित ई-नगर पालिका योजना प्रारंभ की गई है।

यह ई-गवर्नेंस की दिशा में सरकार का बड़ा कदम है। इससे शहरी क्षेत्र की सभी जन सुविधाएं, जन शिकायत सुविधा, निकायों की आंतरिक कार्य प्रणाली, समस्त भुगतान एवं बजट प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। मप्र देश का पहला राज्य है, जहां नगरीय क्षेत्र में ऑनलाइन प्रणाली लागू की गई है।

वर्तमान में ई-नगर पालिका के माध्यम से 22 नागरिक सेवाएं प्रदाय की जा रही हैं, इसमें 15 मॉड्यूल शामिल हैं। ई-नगर पालिका का विभिन्न विभागों जैसे उद्योग, राजस्व, पंजीयन विभाग और भारत सरकार के महत्वपूर्ण मोबाइल एप उमंग से भी एकीकृत किया गया है। ई-नगर पालिका 1.0 पोर्टल के माध्यम से दी जा रही सभी नागरिक सेवाओं और विभागीय कार्यों को और बेहतर, सरल तथा सुगम बनाये जाने के उद्देश्य से वर्तमान में विभाग द्वारा ई-नगर पालिका परियोजना के द्वितीय चरण का विकास, क्रियान्वयन और संचालन नई टेक्नोलॉजी एवं उपकरणों के अनुसार कराये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत 16 मॉड्यूल और 24 नागरिक सेवाएं शामिल होंगी। भौतिक संरचना को क्लाउड सेवाओं द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा। ई-नगर पालिका 2.0 में जीआईएस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी उपयोग किया जायेगा। कॉमन सर्विस सेंटर, एम ऑनलाइन, किऑस्क सेंटर और भुगतान गेटवे के साथ ई-नगर पालिका 2.0 का एकीकरण किया जायेगा। इससे जुड़ी सभी प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी हैं। ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल के विकास के लिये 2 वर्ष तथा 5 वर्ष का ओ एंड एम चयनित वेंडर द्वारा किया जायेगा।

प्रतिबंधित पटाखों से बढ़ा प्रदूषण

एनजीटी में मिस्लेनियस अवमानना याचिका दायर

इंदौर। दिवाली रात तथा दूसरे दिन पऔखों से निर्मित प्रदूषण से श्वांस लेना तक मुश्किल हो गया था, दे रात पटाखे फोड़े गए, फर्जी ग्रीन पटाखे फोड़े गये, सुतली बम, लड़ी बम तथा अन्य जिन्हें प्रतिबंधित किया गया था, वह पटाखे फोड़े गए7

सुप्रीम कोर्ट तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल द्वारा जारी किए गए आदेशों का उल्लंघन समूचे मध्यप्रदेश विशेषतः भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर तथा ग्वालियर में हुआ है?

अतः एनजीटी एक्ट के धारा 25 के तहत नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल स्वयं कार्रवाई करें या अपना आदेश जिला न्यायालयों में कार्रवाई हेतु भेजे7 साथ ही धारा 28 के तहत जिम्मदारी अधिकारियों जिलों के कलेक्टरों तथा पुलिस एसपी पर सख्त कार्रवाई कर पेनाल्टी ठोके।

यह प्रार्थना कर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने आज मिस्लेनियस अवमानना याचिका नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल में दायर की।

याचिका में बताया कि जबलपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, तथा उज्जैन पिछले तीन वर्षों से पटाखों से लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है? याचिकाकर्ताओं द्वारा पूर्व में दायर याचिका में एनजीटी ने भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर कलेक्टरों को कार्रवाई करने को कहा था, किन्तु उन्होंने आदेश का पालन नहीं किया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से एड प्रभात यादव ने बताया कि पटाखों की न तो जांच हुई न ही दोषियों पर कार्रवाई की गई।

नतीजन प्रदूषण बढ़ा इससे जनता के मूलभूत अधिकारों का हनन हुआ है।

अतः एनजीटी को धारा 28 के तहत अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करना चाहिए।

व्यापारियों के हक और हित के लिए काम करना मेरा दायित्व

सैलाना। कृषि उपज मंडी व्यापारियों के दिवाली मिलन समारोह में व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रेश चंडालिया ने यह बात कही । पहली बार हो रहे मंडी व्यापारी मिलन समारोह में अध्यक्ष ने कहा कि एसोसिएशन की पूरी कार्यकारणी जिम्मेदारी के साथ अपना काम कर रही है जब से नवीन कार्यकारणी का गठन हुआ है उसकी सक्रियता और सभी व्यापारियों के सहयोग से एसोसिएशन का आत्मविश्वास बढ़ा हैं इसी तरह एकजुट होकर सभी के सहयोग से हम अपने निर्धारित सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे। समारोह का संचालन कर रहे एसोसिएशन के सचिव पंकज सियार ने कार्यकारणी के दो माह के कार्यों का लेखा जोखा रखा और लंबे समय से लंबित पड़े कार्यों को पूर्ण होने की जानकारी के साथ प्रगतिशील कार्यों की जानकारी भी साझा करी । पहली बार हो रहे इस तरह के दिवाली मिलन समारोह में व्यापारियों ने उत्साह के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और सभी ने एक दूसरे की दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए ऐसे आयोजन के लिए कार्यकारणी सदस्यों को धन्यवाद भी दिया । समारोह के दौरान व्यापारियों से एसोसिएशन के संचालन के लिए चर्चा की गई जिसमे व्यापारियों की समस्या ओर उनके निदान पर व्यापारियों ने अपने अपने सुझाव भी दिए इसके बाद एसोसिएशन के वरिष्ठ व्यापारी इंदरमल दसेड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । कार्यक्रम के समापन पर कार्यकारणी सदस्य दीपक कसेरा ने आभार व्यक्त किया।

मुख्य चौराहै पर जाम से परेशानी

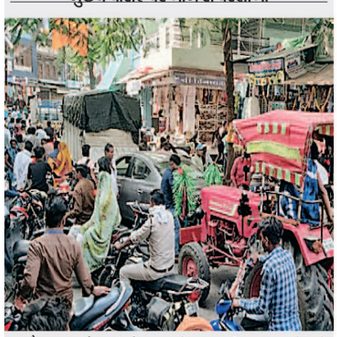

सैलाना (मनोज भंडारी)। शहर में मुख्य मार्ग सदर बाजार में आये दिन जाम की स्थिति बनती है कई बार सैलाना शांति समिति की बैठक में भी ये मुद्दा उठता है पर स्थिति वही है कारण अलग अलग हो सकते है पर जाम लगने का एक कारण स्कूल बसें भी है क्योंकि स्कूल बसें अभी भी वही बड़ी बसें चलती है और जगह जगह बच्चों को उतारती है पहले तो बड़ी सवारी बसों से दिक्कत होती थी तो उन बसों को नगर में बंद कर दिया गया था लेकिन ये स्कूल बस इससे आमजन जुड़ा है और यह बन्द होगी नही पर छोटे वाहन स्कूल वाले लें तो यह दिक्कत काफी कम हो सकती है प्रशासन इस ओर ध्यान दे।स्कूल प्रशासन की एक बैठक ले तो काफी अंतर आ सकता है अब लोगो की भावनाओ ओर नगर की परेशानी इन सबके बीच प्रशासन को हल निकालना है अनिविभागिय अधिकारी राजस्व ध्यान दें तो ओर निर्देशित करें बसों के लिए यह जाम नगर के सब्जी मार्केट चौराहे से स्टेट बैंक के आगे तक जाम लगता है।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गतकोल्ड स्टोरेज तथा रायपेनिंग चैंबर निर्माण के लिए आवेदन आमंत्रित

रतलाम। शासन के एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना फसलोत्तर प्रबंधन घटक के अंतर्गत कोल्ड स्टोरेज टाइप 1 तथा रायपेनिग निर्माण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उपसंचालक उद्यान टी.सी. वास्कले ने बताया कि योजना अंतर्गत कोल्ड स्टोरेज टाइप वन अंतर्गत प्रति हितग्राही अधिकतम निर्माण क्षमता 5000 मेट्रिक टन निर्माण के लिए 0.08 लाख प्रति मेट्रिक टन अनुदान सहायता 35 प्रतिशत अधिकतम राशि 140 लाख रुपए का प्रावधान है। इसी प्रकार रायपेनिंग चैंबर प्रति हितग्राही अधिकतम निर्माण क्षमता 300 मेट्रिक टन निर्माण के लिए निर्धारित लागत राशि रुपए 1 लाख प्रति मेट्रिक टन अनुदान सहायता 35 प्रतिशत अधिकतम 105 लाख रुपए का प्रावधान है। आवेदक को एमपी एफएसटीएस पोर्टल पर जो दस्तावेज अपलोड करना होंगे, उनमें डीपीआर, बैंक ऋण स्वीकृति पत्र, बैंक अप्रेजल रिपोर्ट, भूमि के दस्तावेज, भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र, चार्टर्ड इंजीनियर द्वारा हस्ताक्षरित बेसिक डाटा शीट, केंद्रीय तथा राज्य सरकार से पूर्व में लाभ प्राप्त नहीं करने का घोषणा पत्र, एनसीडीसी की ड्राइंग डिजाइन अनुसार का घोषणा पत्र, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत मानकों और मापदंडों के अनुसार निर्माण करने का घोषणा पत्र सहित परियोजना प्रस्ताव शामिल है। उपरोक्त अनुसारउद्यानिकी विभाग की योजनाओं में अनुदान सहायता प्राप्त करने की इच्छुक कृषक विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर लाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए विकासखंड स्तर पर वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी कार्यालय शासकीय रोपनियों तथा जिला स्तर पर उपसंचालक उद्यान नवीन कलेक्टर भवन रूम नंबर 201 से संपर्क कर सकते हैं।

कुष्ठ रोग हेतु नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 16 नवम्बर को

रतलाम। समर्पण फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा गुलशन कुमार चेरिटेबल ट्रस्ट के साथ मिलकर कुष्ठ कालोनियों में नि-शुल्क चिकित्सालय शिविर आयोजित करने की योजना बनाई गई है। आगामी 16 नवम्बर को शहर के दो स्थानों पर उक्त शिविर आयोजित किए जाएंगे। शहर के सीतला माता कुष्ठ आश्रम मोती नगर में 16 नवम्बर को प्रात- 9.00 बजे तथा इन्द्रा नगर न्यू कालोनी श्मशान रोड पर सायं 4.00 बजे शिविर लगाए जाएंगे। शिविर में नैत्र चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, एम.डी. मेडिसीन, पैरामेडिकल स्टाफ शिविर में सेवाएं देंगे। अधिक जानकारी के लिए पार्वती मो.नं. 97704 74310 से प्राप्त की जा सकती है।

परवलिया में लापता हुए उज्जैन के युवक की लाश मिली

48 घण्टे में पुलिस को मिली सफलता ,एसपी अमित कुमार ने खुद संभाल रखा था मोर्चा

रतलाम।

जिले के रिंगनोद थाना क्षेत्र के परवलिया में 1 नवंबर की रात को लापता हुए उज्जैन के युवक का शव बुधवार दोपहर में एक कुएं से बरामद किया गया। युवक की तलाश के लिए एसपी अमित कुमार ने स्वयं मोर्चा संभाल रखा था।

पहली बार किसी तलाशी अभियान में पुलिस फोर्स और डॉग स्क्वाड के साथ वाटर ड्रोन एवं अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया गया। 48 घंटे की लगातार सर्चिंग के बाद पुलिस को सफलता मिली और युवक का शव बरामद किया गया। इधर बाछंडा डेरो में चल रही अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ भी एसपी अमित कुमार ने सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलवाया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार लापता युवक लोकेश का शव ग्राम पंचायत परवलिया के पीछे स्थित कुएं से बुधवार दोपहर को बरामद किया गया। एसपी अमित कुमार स्वयं बुधवार को मौके पर मौजूद होकर तलाशी अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। शव की शिनाख्त के लिए युवक के परिजनों को उज्जैन से बुलाया गया है।

यह था मामला

मृतक का नाम लोकेश है,जो उज्जैन का रहने वाला है। उसके भाई रोहित ने 3 नवंबर को ढोढर पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। लोकेश अपने 8 अन्य दोस्तों के साथ 1 नवंबर को उज्जैन से रात करीब 8-00 परवलिया बांछड़ा डेरे पर आया था। यहां लोकेश का किराना दुकान संचालक यश से सिगरेट खरीदने के दौरान महंगी सिगरेट देने की बात को लेकर विवाद और झूम झटकी हुई थी। इस दौरान लोकेश के दोस्त सोमिक ने दुकान संचालक को चाकू दिखाकर डराया था। इसके बाद वहां से निकलकर अपने अन्य साथियों के साथ परवलिया में एक ढाबे पर खाना खाने चले गए थे।

लापता युवक के दोस्तों के अनुसार कुछ देर बाद रात 9-00 बजे दुकान संचालक यश अपने अन्य साथियों को साथ ढाबे पर आया और मारपीट करने लगा। इससे बचने के लिए सभी दोस्तों ने फोरलेन पर परवलिया से ढोढर की ओर दौड़ लगा दी। इसी दौरान लोकेश लापता हो गया। लोकेश के दोस्तों ने उज्जैन पहुंचकर उसके भाई को सारे घटनाक्रम से अवगत कराया। इसके बाद उसका भाई ढोढर चौकी पहुंचा और मामले की जानकारी दी।

एसपी के निर्देशन में चला बड़ा सर्चिंग अभियान

युवक के लापता होने के मामले की जानकारी एसपी अमित कुमार को 4 नवंबर को मिली। इसके बाद उन्होंने लापरवाही बरतने पर तत्काल एक्शन लेते हुए ढोढर चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया और स्वयं के निर्देशन में सर्चिंग अभियान शुरू करवाया।

4 नवंबर की रात को एसपी ढोढर पहुंचे और बड़े स्तर पर सर्चिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। पिछले 48 घंटे से पुलिस फोर्स, डॉग स्क्वायड, ड्रोन के साथ ही क्षेत्र में स्थित कुओं और अन्य जलाशयों में वॉटर ड्रोन की मदद से तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। एसपी स्वयं सर्चिंग अभियान की मॉनीटरिंग कर रहे थे। बुधवार दोपहर को भी एसपी अमित कुमार मौके पर पहुंचकर सर्चिंग अभियान को निर्देशित कर रहे थे। दोपहर में पुलिस को सफलता मिली और ग्राम पंचायत परवलिया के पीछे स्थित हुए से युवक के शव को बरामद किया गया।

मारपीट के सभी आरोपी हिरासत में

युवक और उसके दोस्तों के साथ मारपीट करने वाले सभी आरोपियों को पुलिस 2 दिन पूर्व ही हिरासत में ले चुकी है।

बाछंडा डेरो पर कार्रवाई

युवक के लापता होने के बाद एसपी अमित कुमार के निर्देश पर पुलिस ने बांछडा डेरो पर चल रही अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई शुरू की है। डेरों में सर्चिंग के साथ ही अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। मंगलवार को 9 से अधिक मकान के अतिक्रमण को तोड़ा गया। बुधवार को भी जिन मकानों में अनैतिक गतिविधियां संचालित हो रही है उनके अतिक्रमण को जेसीबी से हटाया गया। इस दौरान एएसपी राकेश खाखा और पुलिस बल के साथ ही जावरा का प्रशासनिक अमला भी मौके पर मौजूद रहा।

जनजातीय विद्यार्थियों की विशिष्ट शिक्षण संस्थाओं में डिजीटल बोर्ड लगाये जायेंगे

रतलाम। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन विशिष्ट श्रेणी की शिक्षण संस्थाओं की कक्षाओं में डिजीटल बोर्ड लगाये जायेंगे। इसके लिये विभाग द्वारा तेजी से कार्यवाही की जा रही है। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि डिजीटल बोर्ड लगाने के लिये विभाग द्वारा ठोस कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विभाग के अधीन संचालित सभी एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) में डिजीटल बोर्ड लगाने के लिये केपिटल मद से बोर्ड क्रय एवं स्थापन की कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार सभी विभागीय कन्या शिक्षा परिसरों एवं आदर्श आवासीय विद्यालयों में भी डिजीटल बोर्ड लगाये जायेंगे। इसके लिये आकस्मिक मद से धनराशि का प्रावधान बढ़ाने का प्रस्ताव राज्य शासन को प्रेषित किया गया है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि प्रदेश के सभी 89 जनजातीय विकासखंड़ मुख्यालयों में ई-लाइब्रेरी भी प्रारंभ की जायेंगी। इसके लिये ई-लाइब्रेरी की क्रियान्वयन रूपरेखा एवं उपकरण स्थापना के लिये आवश्यकतानुसार धनराशि का मांग प्रस्ताव भी तैयार कर लिया गया है। राज्य शासन से प्रस्ताव अनुमति एवं बजट आवंटन प्राप्त करने की कार्यवाही की जा रही है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि प्रदेश में बैगा, भारिया, सहरिया तीन विशेष रूप से कमजोर एवं पिछड़ी जनजातियां (पीवीटीजी) निवास करती हैं। इन जनजातियों के विद्यार्थियों को संभागीय मुख्यालय में रहकर पढने् की सुविधा प्रदान करने के लिये विभाग द्वारा पीवीटीजी छात्रावास भवन बनाने की कार्यवाही भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथमत- जबलपुर एवं ग्वालियर में यह पीवीटीजी छात्रावास भवन बनाये जायेंगे। इसके बाद ऐसा ही एक पीवीटीजी छात्रावास भवन शहडोल संभागीय मुख्यालय में भी बनाने पर विचार किया जा रहा है।

माटीकला बोर्ड अध्यक्ष रामदयाल प्रजापति का भ्रमण कार्यक्रम

रतलाम। म.प्र. माटीकला बोर्ड अध्यक्ष श्री रामदयाल प्रजापति (केबिनेट मंत्री दर्जा) 7 नवम्बर को रतलाम भ्रमण पर रहेंगे। भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार श्री प्रजापति 7 नवम्बर को दोपहर 12 बजे रतलाम सर्किट हाउस आएंगे। दोपहर 1 बजे सामाजिक कार्यक्रम में स्थानीय माटी शिल्पियों, जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर जानकारी लेंगे। श्री प्रजापति इसी दिन सायं 6 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

भारत माता की मूर्ति खंडित करने का मामला

रतलाम।

पुराने कलेक्ट्रेट स्थित गुलाब चक्कर संग्रहालय में रखी भारत माता की मूर्ति खंडित हुए आज 14 दिन हो गए है। अभी तक पुलिस मूर्ति खंडित करने वालों की तलाश नहीं कर पाई। बुधवार दोपहर को प्रशासन के खिलाफ सर्व हिंदू समाज ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। मूर्ति खंडित करने वाले आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तारी और नई मूर्ति बनवाकर स्थापित करने की मांग की।

उल्लेखनीय है कि 24 अक्टूबर को सुबह हिंदू संगठनों को सूचना मिली थी कि पुराने कलेक्ट्रेट स्थित संग्रहालय में रखी भारत माता की मूर्ति टूटी हुई है। संग्रहालय में वर्तमान में रैनोवेशन का काम किया जा रहा है। तब संगठन पदाधिकारियों ने वहां पहुंचकर विरोध जताया। मौके पर पुलिस के अधिकारी भी पहुंचे। इसके आद अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। लेकिन, अभी तक पुलिस मूर्ति खंडित करने वालों की तलाश नहीं कर पाई है। पूरा मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

इसी को लेकर बुधवार को हिंदू जागरण मंच और सर्व हिंदू समाज कलेक्ट्रेट में एकत्रित हुआ। इस दौरान नारेबाजी कर प्रशासन की धीमी कार्रवाई को लेकर विरोध जताया और कलेक्टर के नाम एसडीएम अनिल भाना को ज्ञापन सौंपा।

अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप

हिंदू हिंदू जागरण मंच के साथ सर्व हिंदू समाज ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। भारत माता के जयकारे लगाते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पदाधिकारियों का कहना था कि 2018 में भारत माता की मूर्ति श्री राम सेना संघठन द्वारा हनुमान ताल में स्थापित करना तय हुआ था। मूर्ति को उस समय स्थापित भी किया। लेकिन कुछ असंतोष व्यक्तियों द्वारा आपत्ति लिए जाने पर मूर्ति वहां से हटा दी

तब नगर निगम की एमआईसी ने प्रस्ताव पारित कर उक्त स्थान पर मूर्ति स्थापित करने का प्रस्ताव पारित किया। लेकिन, वहां मूर्ति स्थापित नहीं करते हुए गुलाब चक्कर संग्रहालय में लाकर रख दी। तब से किसी भी प्रशासनिक अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

इसका नतीजा यह हुआ कि विगत दिनों असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति खंडित कर दी। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि 7 दिन में नई मूर्ति स्थापित नहीं होती है, तो संगठन और सर्व हिंदू समाज बड़ा प्रदर्शन करेगा।

यह रहे मौजूद

इस दौरान श्री राम सेना जिला अध्यक्ष भूपेंद्र निनामा, संजय निनामा, विजय यादव, नंदकिशोर मीणा, गौरव डाबर, महेश डोडियार, जगदीश पाटीदार, हिंदू जागरण मंच के राजेश कटारिया, जगदीश पाटीदार, कमलेश ग्वालियरी, रमेश परमार आदि कार्यकर्ता, पदाधिकारी मौजूद रहे।

वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड निर्माण प्रारंभ

रतलाम। केन्द्र सरकार द्वारा देश में 70 प्लस आयु वर्ग के वृद्धजनों को आयुष्मान योजना में शामिल कर लिया है। 70 प्लस सभी वर्ग के सभी लोगों को 5 लाख रुपए तक का उपचार लाभ मुफ्त मिलेगा। कलेक्टर राजेश बाथम के निर्देशन में रतलाम में भी वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 29 अक्टूबर को प्रदेश में लांच हुई वृद्धजन आयुष्मान योजना के बाद 70 प्लस आयु के सभी वृद्धजनों के कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद चन्देलकर ने बताया कि जिले मे आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 प्लस आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड 10 नवंबर तक शत-प्रतिशत बनाए जाने हैं । इस कार्य हेतु कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा सुपरवाइजर आशा कार्यकर्ता को निर्देशित किया गया है कि घर-घर जाकर वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनावे। वरिष्ठ नागरिकों का कार्ड बनाना बहुत आसान है हितग्राही स्वयं भी अपना कार्ड बना सकता है। प्रति दिवस प्रत्येक विकासखंड का 5000 कार्ड बनाने का लक्ष्य आवंटित है। हितग्राहियों की ग्राम वाइस सूची विकासखंड कम्युनिटी मोबिलाइजर, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक को उपलब्ध करा दी गई है।

ऐसे बना सकते है खुद अपना कार्ड

आयुष्मान कार्ड के पात्र हितग्राहियों को अब अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए सुविधा का सरलीकरण कर दिया गया है। मोबाईल फोन के द्वारा एक ओर जहां आवेदक अपनी आयुष्मान कार्ड की पात्रता का स्वयं पता लगा सकते हैं वहीं मोबाईल फोन द्वारा आयुष्मान कार्ड के पात्र व्यक्ति अपने कार्ड की साफट कॉपी स्वयं डाउनलोड भी कर सकते हैं। इसके अनुसार सबसे पहले वेबसाईट द्धह्लह्लश्चह्य-//ड्ढद्गठ्ठद्गद्बद्बष्द्बड्डह्म्4.ठ्ठ द्बड्ड.द्दश1.द्बठ्ठ/ पर जाना है। इसका नाम क्करूछ्व्रड्ड क्चद्गठ्ठद्बद्बद्बष्द्बड्ड-ह्म्4 श्चशह्म्ह्लड्डद्य है। इस साइट पर जाते ही एक पेज आता है इस पेज पर बेनिफिशिरी के ऑप्शन पर ही अपना स्वयं का मोबाइल नंबर लिखें, वेरीफाई पर क्लिक करें, ओटीपी प्राप्त होगा, ओटीपी प्राप्त होने के बाद ओटीपी पर क्लिक करना होगा। उसके बाद ओटीपी भरने वाले पोर्ट में ओटीपी लिखना होगा, केप्चा लिखना है, इसके बाद अगला पेज खुल जाएगा।

इसमें राज्य के रूप में मध्यप्रदेश, योजना में श्चद्बद्धद्बड्ड4, जिला रतलाम सेलेक्ट करना है। तरीके के लिए समग्र परिवार समग्र आईडी, आधार सेलेक्ट करना है, नीचे पोर्ट खुलेगा। इस पोर्ट में संबंधित व्यक्ति का समग्र परिवार आईडी, आधार नंबर लिखना है, इसके बाद सर्च के लिए गोला दिखाई देता है। इस नीले रंग के गोल को टच करते ही यदि व्यक्ति योजना में पात्र है, तो पात्र सदस्यों के नाम दिखाई देने लगेंगे। इसको थोड़ा सा सरकाने पर डाउनलोड का ऑप्शन तीर के रूप में दिखाई देता है अर्थात यदि व्यक्ति की ईकेवाईसी की हुई है तो वेरीफाइड के आगे तीर का निशान जो दिखाई दे रहा है, इस पर क्लिक करते ही आथेंटिफिकेशन के लिए स?वीकृति पर क्लिक करना है। फिर आधार कार्ड के ओटीपी और मोबाईल पर प्राप्?त ओटीपी को लिखतें ही आयुष्?मान कार्ड की साफटकॉपी दिखने लगेगी। अब आयुष्मान कार्ड डाउनलोड हो जाएगा, अब पात्र व?यक्ति का कार्ड बन चुका है । साफट कॉपी निकाल सकते हैं ।

ये दस्तावेज जरूरी

70 प्लस वृद्धजनों को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए समग्र आईडी, मोबाइल नंबर से लिंक आधार कार्ड जरूरी है। पोर्टल पर इंट्री के बाद आयुष्मान कार्ड बन जाता है। ऑपरेटर द्वारा इसकी पीडीएफ मोबाइल पर दी जाती है जिसकी प्रिंट किसी भी दुकान से निकाल सकते हैं। इसके अलावा समग्र आईडी और आधार कार्ड से भी आयुष्मान कार्ड का प्रिंट ऑनलाइन दुकान से निकाला जा सकता है।

चिन्हित अस्पतालों में होगा उपचार

केन्द्र सरकार की योजना अनुसार सभी वर्ग के वृद्धजनों को चिन्हित अस्पताल में 5 लाख रुपए तक का उपचार मुफ्त मिलेगा। कार्ड का उपयोग सिर्फ चिन्हित अस्पतालों में ही किया जा सकेगा। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 18002332085 अथवा 14555 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

झाड़ियों के बीच बिना मुंडेर के कुंए में तैरता मिला उज्जैन के लोकेश का शव

ग्रामीण ने देखी कुंए में तैरती लाश, पुलिस को दी सूचना, पुलिस कप्तान के साथ पूरा पुलिस महकमा मामले को ट्रेस करने में जुटा था

जावरा । परवलिया डेरे से विवाद के बाद लापता हुआ उज्जैन निवासी 22 वर्षीय कारपेंटर लोकेश तंबोलिया की शव छटे दिन कुएं में तैरता हुआ मिला। लाश सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखी और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया जहां आज गुरुवार को पैनल से पीएम होगा।

उज्जैन से सावरियांजी का कहकर दोस्तो के साथ निकले उज्जैन निवासी युवक लोकेश का शव ग्राम पंचायत परवलिया के पीछे स्थित कुंए से बुधवार दोपहर को बरामद किया गया। सोमवार शाम से ही एसपी अमित कुमार स्वयं मौके पर मौजूद रहकर लोकेश की तलाशी अभियान का नेतृत्व किया और मर्डर मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। इससे पूर्व 4 नवंबर की रात को जिला पुलिस कप्तान अमित कुमार ढोढर पहुंचे और बड़े स्तर पर सर्चिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। पिछले 48 घंटे से पुलिस की 6 टीमों के साथ डॉग स्क्वायड और ड्रोन के साथ ही क्षेत्र में स्थित कुओं और अन्य जलाशयों में वॉटर ड्रोन

की मदद से बडे स्तर पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा था।

पुलिस कप्तान के नेतृत्व में 2 दिनों से यहां बड़ा सर्च अभियान चलाया जा रहा था। इसके पहले जिले में पहली बार तलाशी अभियान में वाटर ड्रोन का उपयोग किया गया। किसी तलाशी अभियान में पुलिस फोर्स और डॉग स्क्वाड के साथ वाटर ड्रोन एवं अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया गया है। 48 घंटे की लगातार सर्चिंग के बाद आखिरकार पुलिस को सफलता मिली और युवक का शव कुंए से बरामद किया गया। इधर उज्जैन निवासी युवक और उसके दोस्तों के साथ मारपीट करने वाले सभी 6 आरोपियों को पुलिस 2 दिन पूर्व ही हिरासत में ले चुकी थी

इधर 35 स्ट्रैक्चर तोड़े

एमपी आरडीसी के आवेदन पर प्रशासन ने बाछंडा डेरो में दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाया। एसपी अमित कुमार ने सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलवाया। इस दौरान डेरों में सर्चिंग के साथ ही अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। मंगलवार और बुधवार को अतिक्रमण में आ

रहे कुल 35 स्ट्रैक्चर तोडे गए है। इस दौरान एएसपी राकेश खाखा, एसडीओपी शक्तिसिंह चौहान, जावरा नगर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश आर्मो और पुलिस बल के साथ ही जावरा का प्रशासनिक अमला भी मौके पर मौजूद रहा।

पुलिस गिरफ्त में है ये आरोपी

एसडीओपी शक्तिसिंह चौहान ने बताया मामले को लेकर आरोपी पियुष (18) पिता राजु चौहान बाछड़ा निवासी परवलिया, अभिषेक उर्फ गोलु (25) पिता मुकेश चौहान बाछड़ा, क्रिश उर्फ विराट (18) पिता रघुवन चौहान, रितीक (24) पिता राजकुमार चौहान, रिंकु (24) पिता बंशीलाल चौहान सभी निवासी परवलिया को हिरासत में लेते हुए पूछताछ जारी है।

यह था पूरा मामला

मृतक का नाम लोकेश है, जो उज्जैन का रहने वाला है। उसके भाई रोहित ने 3 नवंबर को ढोढर पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। लोकेश अपने 8 अन्य दोस्तों के साथ 1 नवंबर को उज्जैन से रात करीब 8 बजे परवलिया बांछड़ा डेरे पर आया था। यहां लोकेश का किराना दुकान संचालक यश से सिगरेट खरीदने के दौरान महंगी सिगरेट देने की बात को लेकर विवाद हुआ और झूम झटकी हुई थीं।

इस दौरान लोकेश के दोस्त सोमिक ने दुकान संचालक को चाकु दिखाकर डराया था। इसके बाद वहां से निकलकर अपने अन्य साथियों के साथ परवलिया में एक ढाबे पर खाना खाने गए थे। लापता युवक के दोस्तों के अनुसार कुछ देर बात रात 9 बजे दुकान संचालक यश अपने अन्य साथियों को साथ लेकर ढाबे पर आया और मारपीट करने लगा। इससे बचने के लिए सभी दोस्तों ने फोरलेन पर परवलिया से ढोढर की और दौड़ लगा दी इसी दौरान लोकेश लापता हो गया। लोकेश के दोस्तों ने उज्जैन पहुंचकर उसके भाई को सारे घटनाक्रम से अवगत कराया और इसके बाद उसका भाई उज्जैन से ढोढर पुलिस चौकी पहुंचा तथा मामले की जानकारी दी।

भगवान को लगाए 56 भोग, उतारी आरती

हिंगलाज माता मंदिर के साथ अन्य मंदिरो में हुए आयोजन

जावरा । इन दिनों नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरो में अन्नकुट के आयोजन हो रहे है। बुधवार को शहर के अनेक मंदिरों में अन्नकुट के आयोजन हुए। फोरलेन स्थित हिंगलाज माता मंदिर पर अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ। इस दौरान माता रानी के मंदिर को आकर्षक विद्युत से सजाया गया। शाम को मंदिर पर माता की संगीतमय महाआरती की गई। इस दौरान छप्पन पकवानों का भोग लगाया गया। महाआरती के बाद महाप्रसादी का आयोजन हुआ। आयोजन में पूर्व नपा उपाध्यक्ष पवन सोनी, विवेक-प्रहलाद पोरवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महोत्सव में भाग लिया। इसी तरह शहर के अन्य मंदिरों में भी आयोजन हुए। जहां भगवान को भोग लगाने के बाद महाआरती की गई। महाआरती के साथ प्रसादी का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लाभ लिया।

क्यो लगाते है 56 प्रकार के भोग

अन्नकूट महोत्सव मनाने के पीछे मान्यता है कि जब भगवान इंद्र ने क्रोधित होकर गोकुल पर अतिवृष्टि की थी उस वक्त भगवान विष्णु ने गोवर्धन पर्वत को सात दिनों तक अपनी अंगुली पर उठाकर गोकुलवासियों की रक्षा की व उन्हे सकुशल बचाया था, गोकुलवासियो द्वारा 7 दिनों तक एक दिन को 8 प्रहर के रूप में मानकर 56 पहर तक रक्षा करने के लिए भगवान का आभार मानते हुए उन्हे 56 प्रकार के भोग अर्पित किए थे, तब से लेकर आज तक अन्नकूट महोत्सव के दौरान भगवान को महाआरती से पूर्व 56 प्रकार के भोग लगाए जाने की परंपरा है।

लाभ पंचमी पर किंडर ग्रो स्कुल के बच्चों ने दादावाड़ी के किए दर्शन

जावरा । ज्ञान पंचमी पर किंडर ग्रो स्कुल के बच्चों ने जैन दादावाड़ी खाचरोद नाका पहुंचकर देव दर्शन किए। इस विशेष आयोजन में बच्चों ने कॉपी व पेंसिल मंदिर में चढ़ाकर वास्क्षेप से शास्त्रों की पूजा की। साथ ही ज्ञान के पांच खमाशने मति ज्ञान, श्रुति ज्ञान, अवधि ज्ञान, मनः पर्यव ज्ञान एवं कैवल्य ज्ञान के खमाशने देकर अपने जीवन से अंधकार दूर हो एवं ज्ञान का प्रकाश फैले तथा हमारी विवेक बुद्धि जागृत हो ऐसी कामना की। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति और आस्था के प्रति अपनी समझ को भी बढ़ाने रहा ताकि बच्चों में नैतिकता और जीवन मूल्यों का विकास हो। स्कूल डायरेक्टर दिव्यांश-सचिन कोठारी ने सभी बच्चों को ज्ञान पंचमी के महत्व के बारे में बताया तथा सभी बच्चों को ज्ञान पंचमी पर महत्व की कहानी सुनाई गई। इस तरह दीपोत्सव के अंतर्गत आने वाले शुभ दिन लाभ पंचमी

हैंडबॉल क्लब के 14 खिलाड़ी राज्य स्तर पर हुए चयनित

जावरा । संभागीय शालेय प्रतियोगिता में विगत दिनों रतलाम जिले की टीम द्वारा उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया गया था, जिसके आधार पर जावरा हैंडबॉल क्लब पर नियमित अभ्यास करने वाले 7 बालक एवं 7 बालिका का चयन 68 वीं राज्य स्तरीय शालेय 19 वर्ष से कम आयु समूह की बालक एवं बालिका टीम में हुआ है। उक्त प्रतियोगिता 8 से 12 नवंबर तक मध्यप्रदेश के हरदा जिले में आयोजित होगी। चयनित खिलाडियों का दल आज 7 नवंबर को उज्जैन संभागीय दल में सम्मिलित होकर प्रतियोगिता स्थल के लिए रवाना होंगे। वरिष्ठ प्रशिक्षक विजय रावल ने बताया कि चयनित खिलाडियों में बालक वर्ग में मोहित मौर्य, दीपांशु यादव, परीक्षित शर्मा, आदित्य पांचाल, पुनीत दीया, यश राज, जियांशु जैन तथा बालिका वर्ग में भूमिका, ऋषिका, रिया, त्रिशा पांचाल, पूर्वा, राजश्री एवं वंशिका शामिल है। चयनित सभी खिलाड़ियों को विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय, सीएम राइज प्राचार्य राजेंद्र बोस, उप प्राचार्य संजय श्रीवास्तव, खेल प्रशिक्षक अपारसिंह गंभीर, हैंडबॉल खेल प्रशिक्षक शाहिद हुसैन,विजय बैरागी आदि ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

विधिक जागरूकता के साथ चित्रकला प्रतियोगिता हुई आयोजित

जावरा । मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रतलाम के निर्देशानुसार कार्ययोजना अनुसार नालसा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं योजनाए 2016 एवं न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत प्रथम जिला न्यायाधीश के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश जावरा उषा तिवारी की उपस्थिति में सीएम राईज महात्मा गांधी विद्यालय में विशेष विधिक जागरूकता व साक्षरता शिविर का आयोजन किया। जिसमें राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में 4 से 9

नवंबर तक न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत विधिक जागरूकता सह साक्षरता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविरका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं के मध्य विधिक सेवा संस्थाओं एवं उनके माध्यम से संचालित विधिक सेवा योजनाओं के संबंध में विकसित करना है। इस दौरान विद्यार्थियों को विधिक सहायता की जानकारी देते हुए जागरूकता का संदेश दिया। शिविर में छात्र-छात्राओं के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया। चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं की चित्रकला को देखते हुए चित्रकला में से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान की चित्रकला को चयनित किया। न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के महत्व के अलावा व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास एवं मानसिक अभिरुचि के लिए इस प्रकार के शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए। शिविर में शासन की कल्याणकारी व अन्य योजनाओं बारे में भी जानकारी देते हुए योजनाओं के पेमप्लेट वितरित किए गए।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने मेला समिति के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया

मन्दसौर । दिनांक 11 नवम्बर से 30 नवम्बर तक नगरपालिका परिषद के द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव का 62वां भव्य मेला आयोजित किया जाना है। मेला की व्यवस्थाये चाक चौबंद हो तथा मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले इसके लिये नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कल राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया एवं मेला समिति के सभापति व सदस्यों के साथ पशुपतिनाथ मेला स्थल का निरीक्षण किया।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने निरीक्षण के दौरान मनिहारी बाजार, चन्द्रपुरा मेन रोड़, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा यहां की व्यवस्थाओं के संबंध में सीएमओ व मेला अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये। मेला अधिकारी श्री पी.एस. धारवे ने नपाध्यक्ष व मेला समिति को अवगत कराया कि मेला स्थल की ओर जाने वाले सभी मार्गो पर पेचवर्क का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। काश्तकार होटल से पशुपतिनाथ की छोटी पुलिया, महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड से शुक्ला चौक होते हुए पशुपतिनाथ की बड़ी पुलिया तक, मेनपुरिया चौराहा से पशुपतिनाथ चौराहा तक रोड़ पर जहां भी पेचवर्क यि जाना था वह पूर्ण हो गया है। मेला ग्राउण्ड में जहां अस्थायी दुकाने लगायी जाना है वहां भूखण्डों की लाईनिंग का कार्य शुरू हो गया है।

मृणाल ठाकुर ने फैंन को लगाई फटकार

दिवाली के मौके पर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया, जिसमें एक फैन के साथ उनकी मजेदार बातचीत देखने को मिली। इस वायरल वीडियो में एक फैन ने मृणाल की तस्वीर को इस तरह से फोटोशॉप किया था कि ऐसा लग रहा था कि वह और मृणाल एक साथ दिवाली मना रहे हैं। इस फोटो में फैन मृणाल को अपनी बाहों में जकड़े हुए नजर आ रहा था। जब मृणाल ने यह वीडियो देखा, तो पहले तो उन्होंने फैन की फटकार लगाई, लेकिन थोड़ी देर बाद उन्होंने उसकी तारीफ भी की। फैन ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया, दिवाली फोटो एडिटिंग। बॉलीवुड अभिनेत्री का फोटोशूट। मृणाल ने पहले तो भड़कते हुए कमेंट किया, लेकिन कुछ घंटों बाद उन्होंने अपना कमेंट डिलीट कर दिया और मजाकिया अंदाज में तंज करते हुए लिखा, आशा है कि आप एक दिन अच्छी फिल्में भी एडिट करेंगे! शुभकामनाएं, हैप्पी दिवाली।

छुट्टियों में, फोन से दूर रहती हैं रिंकू घोष

जब डिजिटल डिटॉक्स की बात आती है, तो अभिनेत्री रिंकू घोष कहती हैं कि वह छुट्टियों के दौरान अपने फोन और दूसरी तकनीक से दूर रहती हैं। वह बताती हैं कि छुट्टी के दौरान फोन से दूर रहना उनके लिए बहुत ज़्यादा मुक्तिदायक रहा है। ÷मैं अभी छुट्टी पर हूँ, और यह लगातार आने वाले नोटिफिकेशन और अपडेट से एक ताज़ा ब्रेक रहा है। वास्तव में, मैंने इस दौरान अपने मोबाइल के इस्तेमाल को कम करने का एक सचेत निर्णय लिया है, और यह अनुभव मुक्तिदायक रहा है! कमज़ोर नेटवर्क ज़ोन में होने ने भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है; मज़बूत कनेक्शन के बिना, डिजिटल दुनिया से अलग होना बहुत आसान है। सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करने या ईमेल चेक करने के बजाय, मैं अपने आस-पास की खूबसूरती का आनंद लेती हूँ, सार्थक बातचीत करती हूँ और खुद को वर्तमान क्षण में डुबो लेती हूँ।

जब अमिताभ का हुआ था तेंदुए से सामना

गेम शो केबीसी जूनियर्स में 8 से 15 साल के प्रतिभाशाली लिटिल वंडर्स शामिल होंगे। प्रतियोगियों में दिल्ली के भाविक गर्ग भी हैं, जो भले ही 5वीं कक्षा के छात्र हैं । मेजबान अमिताभ ने नन्हें भाविक ने एक किताब लिखी हैऔर इसका शीर्षक है हिस्ट्री ऑफ इंडिया। बिग बी ने भाविक से बात करते हुए नैनीताल में अपने स्कूली दिनों की पुरानी बातों को भी याद किया। उन्होंने बोर्डिंग स्कूल के रोमांच को याद किया, जहां एक आनजाना सा रोमांच झाड़ियों में छिपे तेंदुए की संभावना के रूप में सामने आया था। वे याद करते हुए कहेंगे, एक दिन, एक आदमी दौड़ता हुआ आया और चिल्लाया कि एक तेंदुआ दिखाई दिया है। जब उन्होंने झाड़ियों के पीछे देखा और तेंदुए की पूंछ देखी, तो वे सभी डर गए, और सभी अलग-अलग दिशाओं में भागकर स्कूल वापस चले गए।

बेबी जॉन के साथ हाई ऑक्टेन एक्शन

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन का आखिरकार टेस्टर कट रिलीज़ हो गया है. यह वैसा ही है जिसकी फैन्स उम्मीद कर रहे थे. कालीज़ द्वारा निर्देशित, बेबी जॉन एक रोमांचक मसाला पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है जो एक्शन, ड्रामा और रोमांच से भरपूर है. साथ में बेहतरीन संगीत और कलाकारों ने इसे और भी अद्भुत बना दिया है. मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित, बेबी जॉन को बिग सिने एक्सपो में प्रदर्शकों और वितरकों के लिए एक विशेष स्क्रीनिंग में पहले ही जबरदस्त प्रशंसा मिल चुकी है. इस वजह से फैन्स के बीच इसे ले कर काफी उत्साह है. इसी उत्साह को बढ़ाते हुए, बेबी जॉन का टीज़र कट दिवाली के मौके पर सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया है, जहाँ दर्शक इस चमत्कार को देख सकते हैं.

आई वांट टू टॉक का ट्रेलर रिलीज

फिल्म के मेकर्स द्वारा रिलीज किया गया एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी एहसास देने वाला ट्रेलर, फिल्म आई वांट टू टॉक को लेकर दर्शकों की उम्मीदों को जगाने वाला है।अभिषेक अलग-अलग लुक में नजर आते हैं, जहां वो अर्जुन का असाधारण सफर दिखाते हैं, जो चुनौतियों का सामना करता है । फिल्म में एक जिंदगी बदलने वाला सबक देने का वादा है, जिसे हल्के-फुल्के मजेदार पलों के साथ बैलेंस किया गया है, जो शूजीत सरकार का खास अंदाज है।

विवियन और उनके दोस्तों के बीच ही सच्चा रिश्ता

बिग बॉस का घर जहां विवादों के लिए जाना जाता है, वहीं यह अक्सर बनने वाली गहरी दोस्ती के लिए भी जाना जाता है। हालांकि, इस सीजन में बदलाव देखने को मिला है, और कम सार्थक संबंध बन रहे हैं। अपने साप्ताहिक सेगमेंट के दौरान, अभिनेता रवि किशन ने प्रतिभागियों से मुलाकात की और बताया कि केवल पांच लोग ही सच्ची भावनाएं और दोस्ती दिखा रहे थे- विवियन डीसेना, ईशा सिंह, अविनाश मिश्रा, एलिस कौशिक और शिल्पा शिरोडकर। रवि किशन ने इस बात पर जोर दिया कि यह रिश्ता न केवल अच्छे खिलाड़ियों को दर्शाता है, बल्कि अच्छे इंसानों को भी दर्शाता है। सामान्य अराजकता के बीच, विवियन डीसेना एक परिपक्व नेता के रूप में सामने आते हैं, जिन्होंने टाइम गॉड की उपाधि अर्जित की है।

थंडेल 7 फरवरी को होगी रिलीज

युवा सम्राट नागा चैतन्य अभिनीत और चंदू मोंडेती द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म थंडेल अपनी रिलीज के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स बैनर के तहत बनी वास द्वारा निर्मित और अल्लू अरविंद द्वारा प्रस्तुत, फिल्म का निर्माण पूरा होने वाला है, और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है।थंडेल 7 फरवरी 2025 को स्क्रीन पर आएगी। रिलीज की तारीख के पोस्टर में मुख्य जोड़ी, नागा चैतन्य और साई पल्लवी के बीच शानदार केमिस्ट्री को दिखाया गया है, जो एक सुरम्य समुद्री पृष्ठभूमि पर सेट है। पोस्टर में युगल को एक स्नेही आलिंगन में दर्शाया गया है, जो उनके पात्रों के बीच प्यार के गहरे सागर का संकेत देता है।

दीवानियत के जरिए दर्शक प्यार और पारिवारिक ड्रामा महसूस करेंगे

शो दीवानियत में विजयेंद्र कुमेरिया (देव) और कृतिका सिंह यादव (मन्नत) मुख्य किरदारों के रूप में दिखाई देंगे, और नवनीत मलिक (जीत) भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे।शो के मेकर्स ने एक दिलचस्प पहला प्रोमो रिलीज किया है। ये प्रोमो दोनो परिवार को दिवाली मनाते हुए दिखाता है, लेकिन कुछ अंजाने वजह से मलिक और चौधरी परिवार दुश्मन बन जाते हैं। अब वर्तमान में, दिवाली के मौके पर, जीत और मन्नत चाहते हैं कि वो अपनी जिंदगी एक साथ बनाएं, हालांकी उनके परिवारों में दूरियां हैं। तनाव बढ़ जाता है जब एक बंदूक की गोली सुनाई देती है। नवनीत मलिक, जो जीते का किरदार निभा रहे हैं, ने कहा, शो दीवानियत के जरिए दर्शक आज के समय की भावनाएं, प्यार और पारिवारिक ड्रामा महसूस करेंगे।

करीना के साथ काम करना शानदार अनुभव

अभिनेता रुशाद राणा, ने हाल ही में अभिनेत्री करीना कपूर खान के साथ स्क्रीन शेयर की। अभिनेता का कहना है कि एक विज्ञापन में उनके साथ काम करना एक खुशी की बात थी।÷करीना के साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। यह पहली बार था जब मैं उनके साथ काम कर रहा था। मुझे उनसे ज्यादा बात करने का मौका नहीं मिला क्योंकि बहुत काम था और हमारे पास उनके साथ सीमित समय था। लेकिन हाँ, उन्होंने बहुत ही शालीनता से मेरे साथ एक तस्वीर क्लिक की जो फिर से उनकी बहुत प्यारी थी। मैं यह उल्लेख करना चाहता हूँ कि वह पूरी तरह से पेशेवर हैं। मॉनिटर पर बैठकर उनका प्रदर्शन देखना अद्भुत है। जब मैं मॉनिटर पर बैठा था और उनका प्रदर्शन देख रहा था तो मैं सचमुच प्रशंसक जैसा महसूस कर रहा था। उन्होंने दो विज्ञापन फ़िल्में बनाईं जिनमें से एक में मेरी ज़रूरत नहीं थी लेकिन मैं बस सेट पर बैठा रहा क्योंकि मैं बस उनका प्रदर्शन देखना चाहता था।

ऋषभ निभाएंगे हनुमान का किरदार

जय हनुमान का पहला पोस्टर जारी किया गया, जिसने दर्शकों के बीच चर्चा का माहौल बना दिया। भगवान हनुमान को उनकी पूरी ताकत में दिखाते हुए, इस पोस्टर ने आज की खास रिलीज़ के लिए उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। दिवाली से ठीक एक दिन पहले जय हनुमान का पहला लुक सामने आया है, जिसमें ऋषभ शेट्टी भगवान हनुमान के रूप में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने इस रोमांचक फर्स्ट लुक को एक खास कैप्शन के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है-ये फर्स्ट लुक पोस्टर एक नए इंडियन सुपरहीरो सिनेमैटिक यूनिवर्स की शुरुआत का संकेत देता है। ये दुनिया का सबसे बड़ा सुपरहीरो यूनिवर्स बनने का वादा करता है, जो इंडियन माइथोलॉजिकल कहानियों से जुड़ा हुआ है। नमें से सर्वश्रेष्ठ को बाहर ले आई। इस तथ्य को देखते हुए कि वह एक सर्वोत्कृष्ट प्राकृतिक सुंदरता है, उसे अपने व्यक्तित्व को बढ़ाने के लिए न्यूनतम मेकअप की आवश्यकता थी और हमें इसका हर हिस्सा पसंद आया।

गुगनी गिल का देसी स्टाइल

अभिनेत्री गुगनी गिल पनैच ने अपने प्रशंसकों से विशेष रूप से पंजाबी मनोरंजन क्षेत्र में अपने अविश्वसनीय काम के लिए जबरदस्त प्यार, प्रशंसा और सम्मान अर्जित किया है। जब उन्होंने एक सुंदर और उत्तम दर्जे की कस्टम-निर्मित विशेष डिजाइनर साड़ी पहनी, जो सचमुच उनमें से सर्वश्रेष्ठ को बाहर ले आई। इस तथ्य को देखते हुए कि वह एक सर्वोत्कृष्ट प्राकृतिक सुंदरता है, उसे अपने व्यक्तित्व को बढ़ाने के लिए न्यूनतम मेकअप की आवश्यकता थी और हमें इसका हर हिस्सा पसंद आया।

अंडर द लाइन और एबव द टॉप का सिद्धांत नया नहीं

अभिनेत्री एकता तिवारी, जो गुड़िया रानी में फूल के रूप में नजर आ रही हैं, कहती हैं कि जबकि सभी माध्यमों में समान मात्रा में कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है, परियोजनाओं का निष्पादन और जिस गति से प्रोजेक्ट वितरित किए जाते हैं, वह बदल गया है। वह आगे कहती हैं कि वह माध्यम के बजाय उन परियोजनाओं को चुनना सुनिश्चित करती हैं जिन पर उन्हें विश्वास है।असली बदलाव, या बल्कि उन्नयन, तकनीक, प्रस्तुति, समझ और अनुकूलन में हुआ है। अंडर द लाइन और एबव द टॉप का सिद्धांत नया नहीं है। यथार्थवादी दृष्टिकोण और प्रस्तुति भी नई नहीं है। एकमात्र बदलाव गति है - प्री-प्रोडक्शन से पोस्ट तक, रिलीज़ से लेकर हिट और फ्लॉप निर्धारित करने तक, वह कहती हैं।

राग दरबारी

बेताल का मोहब्बतिया मार्केट

बेताल अचानक पेड़ से कूदकर विक्रम के कंधे पर जा बैठा और बोला, हे विक्रम! आज मैं तुम्हें चुनावी रणनीति के गूढ़ रहस्यों का ज्ञान देने आया हूँ। यह कोई साधारण ज्ञान नहीं है। इसमें 'मोहब्बत की दुकान' से लेकर 'सौ टका का गारंटी' तक सब कुछ शामिल है!

विक्रम ने तिरछी नज़र से बेताल को देखा और मन में सोचा, अब ये फिर से क्या नई बकवास लेकर आया है! बेताल ने शुरू किया, "देखो विक्रम! चुनाव एक कला है। जो इस कला को ना समझे उसके लिए भारी बला है। इसमें मात्र कुर्सी बाज का ही भला है। इस कला में 'जुमलों का मार्ट' सजाना बहुत जरूरी है। सबसे पहले 'मोहब्बत के मार्केट' का कांसेप्ट समझो। चुनाव में मोहब्बत का मार्केट वही खोलता है, जो जनता के दिलों में वोट खेंचू बनना चाहता है। नेता मंच पर जाकर ऐसे मुस्कुराते हैं, जैसे हर एक वोटर उनकी प्रेमिका हो। बड़े-बड़े वादे ऐसे करते हैं, मानो वोट के साथ-साथ दिल भी जीतना है। 'मोहब्बत के मार्केट' की चमक से जनता का ध्यान खींचो। इस मार्केट में मुफ्त वादों की क्रीम रखो और मीठी-मीठी बातों का परफ्यूम लगाओ। पर बेताल, यह जुमलों का बाजार और सौ टका का गारंटी क्या चीज है? विक्रम बोल उठा।

बेताल ने एक शरारती मुस्कान के साथ कहा, अरे मूर्ख विक्रम, यही तो असली मजा है। देखो, चुनावी माहौल में 'जुमलों का बाजार' सजाना बहुत जरूरी है। जनता को यह दिखाओ कि हमारे पास हर मर्ज की दवा है, बल्कि दवा पहले से ही है और मर्ज बाद में पैदा हो जाएगा। कोई महंगाई से परेशान है तो उसके लिए 'दाम घटाने' का जुमला उछालो, कोई बेरोजगारी से त्रस्त है तो 'हर घर नौकरी' का जुमला फेंको। ऐसा लगे कि हम तो हर समस्या का हल देकर ही आए हैं। मंच से बड़ी-बड़ी बातें करो, और ऐसे वादे करो जो दिखने में जितने बड़े हैं, हकीकत में उतने ही हल्के।

जैसे ही जनता को लगे कि तुम्हारे पास हर सवाल का जवाब है, समझ लो आधी बाजी तो वही जीत गए। विक्रम ने हैरानी से पूछा, और 'सौ टका का गारंटी'? ये क्या है? बेताल ने ठहाका मारते हुए कहा, अरे! 'सौ टका का गारंटी' का मतलब है कि हर जुमले और हर वादे के साथ सौ प्रतिशत विश्वास दिलाओ कि जो कह रहे हो, वही होगा। जनता तो गारंटी शब्द सुनते ही झूम उठती है। इस बात का ख्याल रखना कि वे इस गारंटी पर भरोसा करें, चाहे फिर तुम इस गारंटी को पूरा करो या न करो। बस मंच पर ऐसे बोलो, जैसे तुम्हारे बिना जनता का कोई अस्तित्व ही नहीं है। कहो, 'ये काम हो जाएगा, सौ टका का गारंटी!' ताकि जनता सोचे कि तुम तो भगवान के अवतार हो!

विक्रम की आंखें चमक उठीं और उसने हंसते हुए कहा, बेताल, अब समझ आया कि चुनाव में असल मुद्दा क्या होता है। असल मुद्दा है कि जनता को सपना दिखाना और उसे विश्वास दिलाना कि वही सपना सच्चाई है! हर बार 'मोहब्बत की दुकान' का दरवाजा खोलो, 'काटेंगे तो मारेंगे' की बातें फैंको, 'जुमलों का बाजार' सजाओ, और 'सौ टका का गारंटी' का मुहर लगाकर जनता को अपने पक्ष में कर लो। यही है चुनाव जीतने का असली मंत्र। कहकर बेताल पेड़ के उल्टा लटक कर चीखने लग गया।

रामविलास जांगिड़, 18, उत्तम नगर, घूघरा,
अजमेर (305023) राजस्थान

प्रचारकों को पढ़ाया संघ के विस्तार का पाठ

अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपा गई

इंदौर। ग्वालियर के केदारपुर धाम में पांच दिनों तक चले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषंगिक संगठनों के प्रचारक के अखिल भारतीय प्रशिक्षण प्रचारक वर्ग का समापन हो गया है। प्रशिक्षण वर्ग में प्रचारकों ने संघ के विस्तार का पाठ पढ़ा है। साथ ही आने वाले समय में राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के अलावा मजदूर, किसानों, विद्यार्थियों, सामाजिक, आर्थिक एवं ग्रामीण, वनवासी क्षेत्र में संघ के कार्यों पर चर्चा की।

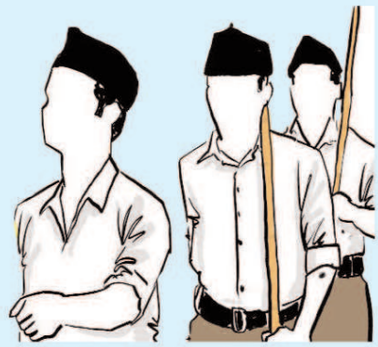

5 दिन तक 7 सत्र में चले वर्ग में आए 31 संगठन के 554 प्रचारक को आने वाले समय को चुनौती बताते हुए कई तरह की जिम्मेदारी सौंपी हैं। समापन से पहले संघ प्रमुख ने सभी प्रचारक को भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनके साथ भोजन किया। ग्वालियर के शिवपुरी लिंक हाईवे पर स्थित केदारपुर धाम में 31 अक्टूबर दीपावली के दिन से देश के अलग-अलग नगर व प्रांत से आए प्रचारक का विविध संगठन प्रचारक वर्ग का शुभारंभ हुआ था। संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत धनतेरस के दिन ही ग्वालियर आ गए थे। यहां उन्होंने दीपावली का त्योहार भी मनाया है। उन्होंने प्रचारक वर्ग में सभी विविध संगठन प्रमुख से चर्चा में कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयां जानी और उन्हें दूर करने पर बात की।

5 दिन के वर्ग में क्या-क्या हुआ

5 दिन तक चले प्रशिक्षण वर्ग में कई कार्यक्रम हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विविध संगठन प्रचारक वर्ग 31 अक्टूबर से शुरू हुआ था। पहले दिन 31 संगठन और 45 प्रांत से आए 554 प्रचारकों ने अपना-अपना परिचय दिया। संघ को लेकर अपने-अपने विचार प्रकट किए। इसके बाद इसी दिन के दूसरे सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने वर्तमान समय में संघ के मुख्य उद्देश्यों से वर्ग में आए प्रचारक को अवगत कराया। रात को सभी ने मिलकर दीपावली मनाई थी। दूसरे दिन 1 नवंबर को आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने सभी सदस्यों के विचार जानने के बाद संघ का संदेश सुनाया। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हिंदू समाज के सभी वर्ग के लोगों में एकता और उनमें परस्पर प्रेम बढ़ाने के लिए इसे निचले स्तर तक ले जाने के लिए घर-घर पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी है।

तीसरे दिन सर संघचालक मोहन भागवत ने प्रचारकों से राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक के अलावा अन्य क्षेत्र जैसे वन जीवन क्षेत्र, धार्मिक क्षेत्र में संघ की भूमिका और प्रचारक के विचार मांगे गए। विचार आने के बाद कुछ चुनिंदा विचार से सभी को परिचित कराया गया है। शाम के समय गोवर्धन पूजन की गई थी। आरएसएस के विविध संगठन प्रचारक वर्ग का चौथा दिन युवा शक्ति और आगामी राजनीतिक माहौल पर मंथन पर रहा है। यहां प्रचारक को बताया गया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ा जाए। साथ ही आगामी समय में आने वाले उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले हिंदू समाज वर्ग में एकरूपता लाने के लिए घर-घर तक आरएसएस के उद्देश्य पहुंचाने का संकल्प लिया गया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक वर्ग में पांचवे दिन समापन दिवस रहा है। सुबह सभी प्रचारक से आरएसएस के पदाधिकारियों ने वन टू वन चर्चा की है। इसके बाद उनकी कठिनाइयों के बारे में जाना और उसका निराकरण किया गया है। उसके बाद संघ के विस्तार का पाठ पढ़ाकर उद्देश्य की प्राप्ति के लिए घर-घर तक पहुंचने की शपथ दिलाई गई। आखिर में भोज हुआ जिसमें शहर के भी 50 से ज्यादा गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया। भोज के उपरांत प्रचारक वर्ग का समापन हो गया।

अब चुनाव निपटने के बाद हो सकता है फैसला

कांग्रेस कार्यकारिणी में विरोध के बाद जिलाध्यक्षों की सूची अटकी

इंदौर। प्रदेश कार्यकारिणी घोषित होते ही प्रदेश में जो बवाल मचा, उसने एक बार फिर जीतू पटवारी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस फॉर्मूले पर जीतू ने अपनी टीम तैयार की है, उसे बड़े नेताओं ने निशाना तो बनाया ही, वहीं छोटे नेताओं ने भी टीम को लेकर कई सवालिया निशान जीतू पटवारी पर खड़े कर दिए। इसके पहले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बीच बड़ी संख्या में कांग्रेस से जाने वाले नेताओं का ठीकरा भी पटवारी के नाम रहा तो इस बार कार्यकारिणी घोषित होते ही इस्तीफा देने वालों का रिकॉर्ड भी बन गया है, जो जीतू पटवारी के राजनीतिक कॅरियर के लिए ठीक नहीं है। अब पटवारी जिलाध्यक्षों की सूची को लेकर आराम से निर्णय करने के मूड में नजर आ रहे हैं।

कांग्रेसी कार्यकारिणी घोषित करते समय जीतू पटवारी ने यह नहीं सोचा था कि वे फिर से अपनी ही पार्टी में उलझ जाएंगे। कांग्रेस में इस्तीफे का दौर शुरू हो गया और बताया जा रहा है कि पूरे प्रदेशभर से करीब दो दर्जन नेताओं की नाराजगी सामने आई है। इनमें से आधे नेताओं ने तो अपना इस्तीफा सार्वजनिक भी कर दिया और पटवारी की टीम को लेकर विरोध जताया।

इंदौर में प्रमोद टंडन और अमन बजाज जैसे नाम हैं, जो नई कार्यकारिणी से इत्तेफाक नहीं रखते हैं। प्रमोद टंडन तो खुले तौर पर कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके हैं, वहीं अमन बजाज ने अपना पद वापस लौटा दिया है। बजाज शहर अध्यक्ष की दौड़ में हैं और युवा नेतृत्व होने के कारण उन्हें इंदौर के कांग्रेसी युवा भी पसंद कर रहे हैं। दूसरी ओर पटवारी की कार्यकारिणी घोषित होने के बाद जिलाध्यक्षों के नाम तय होना थे। इनमें इंदौर भी शामिल है, लेकिन अब पटवारी फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं। उन्हें डर है कि कहीं ऐसा न हो कि दूसरी बार फिर उन्हें विरोध का सामना करना पड़े।

इसी को लेकर अब जिलाध्यक्षों की सूची अटक गई है। सूत्रों का कहना है कि इस सूची को लेकर अब एक बार फिर मंथन किया जाएगा और निष्क्रिय अध्यक्षों को तो पहली बार में ही हटा दिया जाएगा। वहीं बाद में दूसरे अध्यक्षों के बारे में निर्णय लिया जाएगा। 13 नवंबर को विजयपुर और बुधनी उपचुनाव की वोटिंग है। उसके बाद संभवतः कांग्रेस की एक बैठक होगी और उसमें यह निर्णय होगा। विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि नवंबर के आखिरी सप्ताह में यह बैठक हो सकती है। इंदौर के मामले में जिलाध्यक्ष सदाशिव यादव का हटना तो तय है, लेकिन सुरजीतसिंह चड्ढा को लेकर सस्पेंस बरकरार है।

दोनों को लेकर प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्रसिंह तो कह चुके हैं कि दोनों को ही हटाया जाएगा, लेकिन अभी प्रदेश कांग्रेस कमेटी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रही है। संभवतः यह सस्पेंस महीने के आखिरी में समाप्त हो सकता है।

परिसीमन की तैयारी में जुटी कांग्रेस

सांसद विवेक तन्खा को बनाया कमेटी का अध्यक्ष

इंदौर। मध्यप्रदेश में सरकार के अलावा कांग्रेस पार्टी भी परिसीमन की तैयारी में जुट गई है। लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र के परिसीमन को लेकर कांग्रेस ने कमेटी बनाई है। कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस ने दिग्गज नेता राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा को कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। कमेटी के 5 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। जिलों में भी समितियां बनाई जाएगी। परिसीमन के दौरान आयोग के समक्ष पार्टी के तर्कों को रखने के लिए यह कांग्रेस की कवायद है। जनगणना के हिसाब से सरकार परिसीमन कराएगी। परिसीमन से प्रदेश के विधानसभा और लोकसभाओं की सीमाओं में परिवर्तन होगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होने के बाद अब महिलाओं के लिए 33प्रतिशत सीट आरक्षित होंगी।

संगठन में भी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण

बूथ के 11 सदस्यों की टोली में 3 महिला नेत्री अनिवार्य

इंदौर। संगठन पर्व के रूप में भाजपा ने अपना चुनाव अभियान शुरू कर दिया है। बूथ की 11 सदस्यीय टोली में 33 प्रतिशत यानी 3 महिला कार्यकर्ताओं को अनिवार्य रूप से स्थान देना होगा। दरअसल, प्रदेश की मोहन कैबिनेट ने सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया है। इस फैसले से यह साफ हो गया है कि भाजपा महिला वोटर्स पर अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने देना चाहती। अगले महीने में संभावित भाजपा के संगठन चुनाव में महिला नेत्रियां मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष के चुनाव में दावेदारी करेंगी।

भाजपा ने संगठन चुनाव को लेकर बनाई गई गाइडलाइन में यह तय किया है कि बूथ समिति में अनिवार्य रूप से 3 महिलाओं को शामिल किया जाए। बूथ समितियों के चुनावों को लेकर जिला स्तर से लेकर मंडल, शक्ति केंद्र स्तर तक कार्यशालाएं हो रहीं हैं। इसके बाद बूथ समितियों के चुनाव होंगे। भाजपा ने 2 सितंबर से 15 अक्टूबर तक सदस्यता अभियान चलाया। इसके बाद सक्रिय सदस्यता का अभियान चला। अब भाजपा के संगठन चुनाव की प्रक्रिया चल रही है।

इसके तहत 14 नवंबर से 20 नवंबर तक एमपी में बूथ समितियों के चुनाव होंगे। इसमें बूथ अध्यक्ष सहित 11 सदस्यीय बूथ समिति का गठन किया जाएगा। बीते विधानसभा चुनाव के पहले छिंदवाड़ा जिले से अलग कर बनाए गए नए जिले पांढुर्णा में भाजपा ने वैशाली महाले को जनवरी में अध्यक्ष नियुक्त किया था।

अब आगे संगठन चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष के बाद संगठन में सबसे अहम प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी कविता पाटीदार को दी गई है। कविता राज्यसभा की सांसद भी हैं।

21 को दिल्ली में बैठक

21 नवंबर को दिल्ली में भाजपा के संगठन चुनाव को लेकर बैठक होगी।

इस बैठक में एमपी के चुनाव अधिकारी विवेक शेजवलकर, सह चुनाव अधिकारी रजनीश अग्रवाल, जीतू जिराती, अर्चना चिटनीस, और डॉ. प्रभुलाल जाटव शामिल होंगे। इसी बैठक में मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का शेड्यूल और टाइमलाइन जारी होगी।

मध्य प्रदेश में लागू होगा किसान कल्याण मिशन

एक जनवरी से मिशन मोड में काम करेगी मोहन सरकार

भोपाल (ईएमएस)। मप्र में सरकार का फोकस खेती-किसानी को लाभ का धंधा बनाने पर है। इसके लिए सरकार लगातार खेती-किसानी को बढ़ावा दे रही है। अब इस दिशा में मप्र सरकार मिशन मोड में काम करने जा रही है। इसके लिए 1 जनवरी से मप्र में किसान कल्याण मिशन लागू किया जाएगा। ताकि खेती को लाभ का धंधा बनाया जा सके।

दोगुना किया जाएगा बजट

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने वाला मप्र पहला राज्य होगा। यहां एक जनवरी से चार नए मिशन प्रारंभ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार युवा, नारी, किसान और गरीब वर्ग के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए मिशन मोड में काम करेगी। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए किसान कल्याण मिशन संचालित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने जिन चार जातियों (युवा, नारी, किसान और गरीब) पर फोकस किया था, उस पर आधारित चार मिशन प्रदेश में एक नवंबर से लागू करने की घोषणा मुख्यमंत्री डा. यादव ने 15 अगस्त को थी, पर आवश्यक तैयारियां नहीं हो पाई। अब सरकार ने तय किया है कि एक जनवरी 2025 से इन्हें लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने चारों मिशन को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री ने युवाओं, नारी, किसानों और गरीबों के अभावग्रस्त जीवन के आर्थिक उन्नयन के साथ उनमें आत्म विश्वास भरने और उनके जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प लिया है। इन्हें पूरा करने की पहले करना वाला मप्र पहला राज्य है। सरकार इन वर्गों के आर्थिक विकास के लिए एक जनवरी 2025 से युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तीकरण मिशन प्रारंभ करने जा रही है। प्रदेश का बजट अभी साढ़े तीन लाख करोड़ से अधिक है, जिसे अब दोगुना किया जाएगा। प्रदेश को सशक्त बनाने जनता की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। गौरतलब है कि युवा शक्ति मिशन के तहत युवाओं को रोजगार, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर प्रदान कर सशक्त बनाना है।

गरीब कल्याण मिशन के तहत गरीब व वंचित वर्गों को सामाजिक सुरक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। नारी सशक्तीकरण मिशन के तहत महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के साथ आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाना है। किसान कल्याण मिशन के तहत किसानों की आय में वृद्धि करने के साथ कृषि को और अधिक लाभकारी व्यवसाय बनाना है।

नदियों का कटाव रोकेगी सरकार

मप्र की नदियों के कटाव को रोकने के लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार से वित्तीय मदद लेगी। मध्य प्रदेश के गृह विभाग ने सभी कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी कर कहा है कि नदियों के कटाव को रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा बनाई गाइड लाइन का पालन किया जाए। जिला कलेक्टरों से कहा गया है कि वे नदियों के कटाव रोकने की परियोजना बनाए, ताकि केंद्र सरकार के फंड से धनराशि मांगी जा सके। प्रदेश की नदियों के कटाव को रोकने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन निर्मित राष्ट्रीय आपदा शमन कोष यानि नेशनल डिसास्टर मिटिगेशन फंड से धन राशि दी जाएगी।

इसके अलावा मप्र जल संसाधन विभाग ने भी अपने सभी मैदानी मुख्य अभियंताओं से कहां है कि वे कटाव रोकने की परियोजना बनाने में कलेक्टरों को सहयोग करें। केंद्र की गाइड लाइन में बताया गया है कि नदियों का कटाव रोकने के लिए दो स्तर पर कार्रवाई की जा सकती है। पहला उपाय नदी किनारों पर कांक्रीट दीवार आदि बनाई जाती है और दूसरा उपाय के तहत नदी किनारों पर पौधारोपण आदि किया जाता है। राज्य सरकार पौधारोपण पर अधिक जोर दे रही है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com